लखनऊ

गुरुवार 26 फरवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 187

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"वक्त भले धीमा चले, लेकिन उसका फैसला हमेशा मजबूत और बिल्कुल सही होता है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने गृह मंत्री शाह को लिखा पत्र, दिल्ली का नाम इंद्रप्रस्थ करने की मांग

नई दिल्ली। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने का आग्रह किया, ताकि इसकी प्राचीन पहचान और सांस्कृतिक विरासत को फिर से स्थापित किया जा सके। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने अपने पत्र में कहा कि दिल्ली नाम इतिहास के अपेक्षाकृत बाद के कालखंड से जुड़ा है, जबकि राजधानी की मूल पहचान इंद्रप्रस्थ रही है। उन्होंने तर्क दिया कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है और उसकी राष्ट्रीय राजधानी का नाम भी उसके गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रतिबिंबित करना चाहिए। उन्होंने उल्लेख किया कि ऐतिहासिक साहित्य, पुरातात्विक साक्ष्य और सभ्यतागत परंपराएं इस बात की पुष्टि करती हैं कि वर्तमान दिल्ली ही प्राचीन इंद्रप्रस्थ का स्थल है, जिसकी स्थापना पांडवों ने की थी। महाकाव्य महाभारत में इंद्रप्रस्थ को यमुना नदी के तट पर बसा एक समृद्ध और भव्य नगर बताया गया है, जो आज की दिल्ली के भौगोलिक स्वरूप से मेल खाता है। खंडेलवाल ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा पुराना किला में की गई खुदाई में लगभग 1000 ईसा पूर्व के प्राचीन बसावट के प्रमाण मिले हैं। इनमें पेंटेड ग्रे वेयर संस्कृति के अवशेष भी शामिल हैं, जिन्हें महाभारत काल से जोड़ा जाता है। उनके अनुसार ये साक्ष्य इस धारणा को मजबूत करते हैं कि प्राचीन इंद्रप्रस्थ का स्थान वर्तमान दिल्ली ही है। सांसद ने सुझाव दिया कि दिल्ली में किसी उपयुक्त स्थान, संभवतः पुराना किला परिसर में, पांडवों की प्रतिमाएं स्थापित की जाएं, ताकि राजधानी की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को साकार रूप में प्रदर्शित किया जा सके।

यादव जी की लव स्टोरी के विरोध में दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने किया सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। प्रगति तिवारी, विशाल मोहन, अंकित बढ़ाना और सुखविंदर विक्की स्टारर फिल्म यादव जी की लव स्टोरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में फिल्म के टाइटल और रिलीज पर रोक की मांग को लेकर याचिका दर्ज कराई गई थी। अब कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, और कोर्ट का कहना है कि फिल्म के टाइटल से यादव समुदाय की छवि खराब नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने कड़े शब्दों में फिल्म के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि टाइटल के कुछ भी ऐसा विवादित नहीं है, जैसा घूसखोर पंडत में था। ये मामला घूसखोर पंडत से अलग है। फिल्म के टाइटल से यादव समुदाय की छवि खराब नहीं होती है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि किसी फिल्म का टाइटल मात्र इसलिए असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता कि उससे किसी समुदाय की छवि खराब होने की आशंका जताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से फिल्म के रिलीज पर लटकी तलवार अब उतर चुकी है। फिल्म 27 फरवरी को यानी 2 दिन बाद सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

8वीं क्लास की बुक में शामिल किया गया अदालतों का भ्रष्टाचार... भड़के सीजेआई ने कहा- बदनाम करने की इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत ने NCERT की उस पुस्तक का संज्ञान लिया है, जिसमें कक्षा 8 के छात्रों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वे किसी को भी इस संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे। मुझे पता है इससे कैसे निपटना है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वे स्वतः संज्ञान लेंगे। CJI ने कहा, यह एक सोची-समझी कार्रवाई प्रतीत होती है। किताब में हुए बदलाव पर सांसद कपिल सिब्बल ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि NCERT 8वीं क्लास के बच्चों को भ्रष्ट ज्यूडिशियरी सिस्टम के बारे में बता रहा है।

NCERT ने क्लास 8 की सोशल साइंस की नई किताब जारी की है। किताब में पहली बार ज्यूडिशियरी में करप्शन पर एक सेक्शन जोड़ा गया है। बुक का अपडेटेड एडिशन पहले के एडिशन से अलग है। बुक में एक चैप्टर का नाम है हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका, जिसमें सिस्टम की कमजोरियों और लंबित मामलों के बारे में बताया गया है।

किताब में इस समस्या के बड़े पैमाने को साफ-साफ बताया गया है। इसमें अलग-अलग कोर्ट में लगभग 53,321,000 पेंडिंग केस बताए गए हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट में 81,000, पूरे भारत के हाई कोर्ट में 62। 4 लाख (62,40,000) और डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट में लगभग 4। 7 करोड़ (4,70,00,000) केस हैं। चैप्टर में लोगों की सोच और चिंताओं का भी जिक्र है।

चैप्टर में लिखा है, लोग ज्यूडिशियरी के अलग-अलग लेवल पर करप्शन का अनुभव करते हैं। गरीबों और ज़रूरतमंदों के लिए न्याय तक पहुंच आसान नहीं है। भारत के पूर्व चीफ जस्टिस बी आर गवई का जिक्र करते हुए, बुक में कहा गया है कि करप्शन और गलत काम लोगों के भरोसे को नुकसान पहुंचाते हैं। करप्शन का जिक्र करते हुए बुक में लिखा है ज्यूडिशियरी के सदस्यों के खिलाफ शिकायतें सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रीवांस रिड्रेस एंड मॉनिटरिंग सिस्टम के जरिए फाइल की जा सकती हैं। किताब के मुताबिक, 2017 और 2021 के बीच इस सिस्टम के जरिए 1,600 से ज़्यादा शिकायतें मिलीं।

शिकायतों पर सरकार ने क्या कहा?

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 13 फरवरी, 2026) को लोकसभा को बताया था कि पिछले दस सालों में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) के ऑफिस को मौजूदा जजों के खिलाफ 8,630 शिकायतें मिलीं। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि 2016 और 2025 के बीच जजों के खिलाफ 8,360 शिकायतें दर्ज की गईं।

मंत्री द्वारा शेयर की गई टेबल के अनुसार, CJI के ऑफिस को 2016 में जजों के खिलाफ 729 शिकायतें मिलीं। इसके बाद 2017 में 682, 2018 में 717 और 2019 में 1,037 शिकायतें मिलीं। 2020 और 2021 में, ऐसी शिकायतें क्रमशः 518 और 686 थीं। 2022 में 1012 शिकायतें मिलीं। इसके बाद 2023 में 977, 2024 में 1,170 और 2025 में 1,102 शिकायतें मिलीं।

शंकराचार्य पर ऐसे आरोप लगाना गलत, पद की गरिमा बनाए रखने के लिए बड़े स्तर पर जांच जरूरी : अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी। बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में फंसे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है, और अब उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट का रुख किया है। अब शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने ऊपर लगे आरोपों और मामले की स्पष्टता से जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यूपी पुलिस पर जनता को भरोसा नहीं है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की तरफ से गिरफ्तारी से बचने के लिए उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई है। उन्होंने बताया कि अब जांच शुरू हो चुकी है। इसीलिए हमारे लोगों को ज्यादा कुछ नहीं बोलना चाहिए और न ही इसे किसी भी तरह से प्रभावित करने की कोशिश करनी चाहिए।

युवा कांग्रेस सदस्यों की गिरफ्तारी शर्मनाक, देशहित से समझौते कर रही सरकार : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने युवा कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज उठाने वाले युवा कांग्रेस सदस्यों पर की गई कार्रवाई अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में कहा कि सत्य के लिए शांतिपूर्ण और अहिंसक प्रतिरोध भारत की गौरवशाली परंपरा रही है, जो महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से विरासत में मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक दबाव के आगे झुककर सरकार ने देश के हितों से समझौता किया है और प्रधानमंत्री व सरकार के खिलाफ आवाज उठाना 1.4 अरब भारतीयों के हित में है।

उनकी यह टिप्पणी उस समय आई है, जब दिल्ली पुलिस ने एआई समिट में हुए शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को मुख्य साजिशकर्ता और मास्टरमाइंड बताते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने पहले हिरासत में लिए गए सात अन्य यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर भी दंगा समेत अतिरिक्त धाराएं जोड़ी हैं।

बताया गया कि पिछले सप्ताह एआई समिट के दौरान हॉल नंबर 5 में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक समूह ने शर्ट उतारकर सरकार और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ लिखे स्लोगन वाली टी-शर्ट दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें तुरंत वहां से हटा दिया।

कांग्रेस ने चिब और अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। वहीं पार्टी सांसद राहुल गांधी ने इस कार्रवाई को तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का परिचायक बताते हुए सरकार पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का आरोप लगाया है।

भाजपा उत्तर बंगाल के लिए मिनी घोषणा पत्र बनाने पर कर रही विचार, आठ जिलें होगें शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लेकर सभी पार्टीयां लगातार तैयारियों में लगी हुई है। भाजपा चुनावी घोषणापत्र का खाका तैयार करने में छोटे-छोटे मुद्दों पर ध्यान दे रही है। पार्टी का कहना है कि पूरे राज्य भर के लिए एक विस्तृत घोषणापत्र लाया जाएगा। लेकिन उत्तर बंगाल के आठ जिलों के लिए एक अलग से मिनी घोषणापत्र लाया जाएगा। जिसमें वहां के खास मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा।

भाजपा राज्य समिति के सदस्य ने कहा पश्चिम बंगाल में कई बड़े मुद्दे है लेकिन कुछ इलाकों में कुछ खास मुद्दे भी है। उन्होंने कहा हमारी उद्देश्य छोटे-छोटे मुद्दों को हाईलाइट करना है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर बंगाल के आठ जिलों, यानी कूच बिहार, नॉर्थ दिनाजपुर, साउथ दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और मालदा के खास मुद्दों को कवर करने वाला एक अलग मिनी-मैनिफेस्टो लाने की कोशिश है।

राज्य समिति के सदस्य ने कहा हमेशा की तरह, पूरे राज्य के मुद्दों को कवर करने वाला मुख्य और विस्तृत घोषणापत्र जरूर होगा। लेकिन इस बार, उत्तर बंगाल के मुद्दों को कवर करने वाला एक मिनी-मैनिफेस्टो लाने की कोशिश की जाएगी। भाजपा के चीफ व्हिप और उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी से विधायक शंकर घोष के मुताबिक, इलाके के लोगों की ज़रूरतों, मांगों और उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए उत्तर बंगाल के लिए एक अलग घोषणापत्र बनाने का प्लान बनाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में नौ साल से दंगा नहीं हुआ, इसलिए अखिलेश यादव परेशान : ओपी राजभर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि योगी सरकार में बीते 9 साल में कोई दंगा नहीं हुआ। सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज है और विकास हो रहा है। इस बात से पूर्व सीएम अखिलेश यादव परेशान हैं। मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव को यह लग रहा है कि अब उनका क्या होगा। आगामी विधानसभा चुनाव में सिर्फ उनकी जाति के लोग ही उनके साथ रह जाएंगे, मुसलमान भी उनसे अपना पीछा छुड़ा लेंगे। लखनऊ में यूपी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि राज्य में मेट्रो का काम चल रहा है और विकास तेजी से हो रहा है। एक्सप्रेसवे बन रहे हैं और दंगे पर रोक लगी है।

सरकार ने माना- प्रयागराज मामला चौंकाने वाला, सिंधिया बोले- निदेशक पर कार्रवाई होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएसएनएल के निदेशक विवेक बंजल के प्रस्तावित प्रयागराज दौरे वाला विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसे अनुचित और अस्वीकार्य बताया। साथ ही यह भी कहा कि निदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है।

दरअसल दौरे की तैयारी में करीब 50 अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपे जाने के निर्देश थे। निजी उपयोग की वस्तुओं तक की व्यवस्था के लिखित निर्देश थे। इसके बाद से ही ये पत्र वायरल हो गया। और मामले ने तूल पकड़ लिया। सिंधिया ने साफ कहा कि स्थापित नियमों और प्रशासनिक परंपराओं का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निदेशक को सात दिन में जवाब देने को कहा गया है। जवाब मिलने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि यह 21वीं सदी है और इस तरह का व्यवहार चौंकाने वाला है। सरकार ने यह भी कहा कि संस्थागत अनुशासन और प्रोटोकॉल का पालन सर्वोपरि है। कार्यालय आदेश के अनुसार विवेक बंजल 25-26 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज आने वाले थे। 19 फरवरी को जारी प्रोटोकॉल नोटिस में लगभग 50 अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग-अलग कार्य सौंपे गए। कार्यक्रम में स्वागत, संगम स्नान, नौका विहार और बड़े हनुमान मंदिर, अक्षयवट तथा पातालपुरी मंदिर के दर्शन शामिल थे। हर स्थल पर किस अधिकारी की क्या भूमिका होगी, यह लिखित में दर्ज था।

कश्मीरी गेट में कार पर गोलीबारी, खुद को लॉरेंस बिश्नोई लीगल टीम का सदस्य बताने वाला एक व्यक्ति घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में देर रात करीब 10:10 बजे एक कार पर अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, गाड़ी में कुल पांच लोग सवार थे, और गोलीबारी के बाद हमलावर फरार हो गए। घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दिल्ली पुलिस के डीसीपी नॉर्थ राजा बंथिया ने घटनास्थल पर पत्रकारों से बातचीत में बताया, हमें रात करीब 10:10 बजे सूचना मिली कि कश्मीरी गेट के पास एक कार पर फायरिंग हुई है। मौके पर पहुंचकर हमने पाया कि गाड़ी पर चार से पांच राउंड फायरिंग की गई है। एक व्यक्ति घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने की मांग, केरल का नाम बदलने के बाद उठी ये मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को केंद्र सरकार की सहमति मिल गई है। अब देश के दूसरे राज्यों का नाम भी बदलने की मांग होने लगी है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इंद्रप्रस्थ से हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान जुड़ी हुई है। केंद्र सरकार को दिल्ली का नाम बदलने पर विचार करना चाहिए।

दिल्ली के चांदनी चौक से भाजपा सांसद और कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने से देश की राजधानी की ऐतिहासिक और सभ्यतागत पहचान को मान्यता मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली का संबंध पांडवों से रहा है। पांडवों की प्रतिमाएं जगह-जगह पर लगाकर जनता को इसके बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे ऐतिहासिक पहचान को पुनर्जीवित किया जा सकेगा। खंडेलवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से भी अनुरोध किया है कि दिल्ली विधानसभा में दिल्ली का नाम "इंद्रप्रस्थ" करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे एक पत्र में खंडेलवाल ने कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है और उसकी राष्ट्रीय राजधानी का नाम भी उसके गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

शर्टलेस प्रदर्शन पर भाजपा-कांग्रेस में घमासान, पीयूष गोयल ने नेहरू-बोफोर्स की दिलाई याद

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को एआई शिखर सम्मेलन में भारतीय युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगाए गए आरोप वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास हैं।

गोयल ने X पर कई पोस्ट लिखकर समझौतावादी कांग्रेस हैशटैग का इस्तेमाल किया और राहुल गांधी पर राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाली अपनी पारिवारिक विरासत को जारी रखने का आरोप लगाया। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकारों के दौरान लिए गए फैसलों का हवाला दिया, जिनमें जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सीट के कथित प्रस्ताव पर भारत का रुख, राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान बोफोर्स घोटाला और इंदिरा गांधी के कार्यकाल में कच्चातीवू समझौता शामिल हैं।

गोयल ने 'X' पर लिखा कि राहुल गांधी जब बिना शर्ट पहने पुरुषों को एआई शिखर सम्मेलन में भेजकर भारत को वैश्विक मंच पर अपमानित करने की कोशिश कर रहे हैं, तो यह भारत की छवि और हितों से समझौता करने की उनकी पारिवारिक विरासत का ही विस्तार है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी राहुल गांधी की 2024 में हुई अमेरिका यात्रा की आलोचना की। जोशी ने कहा कि लोकतंत्र पर चर्चा के रूप में प्रस्तुत की गई इस यात्रा में इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल से जुड़े कार्यकर्ताओं और जॉर्ज सोरोस द्वारा वित्त पोषित नेटवर्क से कथित तौर पर जुड़े व्यक्तियों के साथ हुई मुलाकातों के कारण चिंताएं बढ़ गईं। उन्होंने यह भी दावा किया कि कतर ने कथित तौर पर इनमें से कुछ मुलाकातों में सहायक भूमिका निभाई।

जोशी ने कहा कि जब विदेशों में होने वाली मुलाकातों से संवाद और संदिग्ध नेटवर्किंग के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है, तो नागरिकों का स्पष्टता की मांग करना जायज़ है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि राष्ट्रीय हितों से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद ज़रूरी हैं। जोशी ने 'X' पर लिखा कि अब 2024 की बात करें, तो राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा को 'लोकतंत्र' पर बातचीत के तौर पर पेश किया गया, लेकिन असलियत कुछ और ही बयां करती है।

इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल से जुड़े कार्यकर्ताओं और सोरोस द्वारा वित्तपोषित नेटवर्कों से जुड़े व्यक्तियों के साथ हुई मुलाकातें, जिनमें कतर की भूमिका कथित तौर पर मध्यस्थ की रही, इरादों और तालमेल पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। जब विदेशों में होने वाली मुलाकातों से संवाद और संदिग्ध नेटवर्किंग के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तो नागरिकों का यह सवाल पूछना जायज़ है: क्या यह कूटनीतिक संपर्क है या कुछ और भी चिंताजनक? राष्ट्रीय हितों की बात आने पर पारदर्शिता और जवाबदेही चुनिंदा नहीं हो सकती। पिछले सप्ताह, भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने एआई इम्पैक्ट समिट की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री पर 'समझौते' का आरोप लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दी राहत, ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सोरेन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में निचली अदालत पर चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्य कांत ने ईडी से कहा कि आपने कई बड़े केस दर्ज कर रखे हैं। बेहतर हो आप उन पर ध्यान दें।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने हेमंत की याचिका पर ईडी पर भी एक्शन लिया है। कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी किया है। इससे पहले झारखंड हाईकोर्ट ने स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट की तरफ से जारी समन को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेन की स्पेशल लीव पिटीशन पर यह अंतरिम आदेश पारित किया है। इसी मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गिरफ्तार भी हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि ईडी के समन पर हाजिर होने के बाद सोरेन को गिरफ्तार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने हेमंत की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया है। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'कल हम अखबार में पढ़ रहे थे कि ईडी ने बहुत सारे केस दर्ज किए हैं। उन पर ध्यान दीजिए और अपनी एनर्जी बड़े मामलों पर लगाइए, जिससे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।' ईडी के वकील ने कोर्ट में कहा कि हेमंत सोरेन को सात बार समन भेजा गया, लेकिन वह पेश नहीं हुए।

देवांश शर्मा ने इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड में ऑल इंडिया में 84 रैंक लाकर स्कूल का नाम किया रोशन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद के गाँव कवरी रामनगर कोर्ट के निवासी सियाराम शर्मा के पुत्र देवांश शर्मा ने इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड में ऑल इंडिया में 84 रैंक और इंटरनेशनल में 186 रैंक लाकर ST XAVIER'S HIGH SCHOOL DARIYAPUR का नाम किया रोशन इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड (ISO) कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों के लिए एक प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता है, जो वैज्ञानिक सोच, तर्क क्षमता और विषय के ज्ञान का परीक्षण करती है।

मजदूरों का सब्र टूटा, 18 सूत्रीय ज्ञापन के साथ सड़कों पर उतरा भारतीय मजदूर संघ

» पुरानी पेंशन से लेकर आशा-आंगनबाड़ी तक गूंजा हक का सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मजदूरों, कर्मचारियों और असंगठित क्षेत्र के कामगारों की समस्याओं को लेकर आज भारतीय मजदूर संघ ने जोरदार आवाज बुलंद की। जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को संबोधित 18 सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए संगठन ने साफ शब्दों में कहा कि यदि जल्द ठोस निर्णय नहीं लिए गए तो व्यापक आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी।संगठन ने आरोप लगाया कि महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी उपेक्षा के चलते मजदूर वर्ग अत्यंत संकट में है। आशा, आंगनबाड़ी, संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मियों से लेकर सफाई कर्मचारियों तक हर वर्ग असुरक्षा, वेतन विसंगति और शोषण का शिकार है।ज्ञापन में मांग की गई कि आशा और आशा संगिनी बहनों को सरकारी कर्मचारी घोषित कर प्रोत्साहन राशि के स्थान पर नियमित मानदेय दिया जाए। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/सहायिकाओं के मानदेय में वृद्धि कर उन्हें भी सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग की गई। एनएचएम के तहत कार्यरत संविदा कर्मियों को बीमा सुविधा देने के लिए केंद्र से बजट मिलने के बावजूद लाभ न मिलने पर भी सवाल उठाए गए। स्थानांतरण का भय दिखाकर शोषण, वेतन विसंगतियां और सेवा सुरक्षा का अभावकृइन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। ज्ञापन में 108 व 102 एंबुलेंस सेवाओं से बर्खास्त कर्मियों की बहाली की मांग करते हुए कहा गया कि वार्ता के बाद भी उन्हें काम पर नहीं लिया गया, जिससे कई परिवार भुखमरी की कगार पर हैं। संगठन ने कहा कि आउटसोर्सिंग के नाम पर कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलता और नौकरी से निकाले जाने का डर हमेशा बना रहता है। उनके लिए स्पष्ट नियमावली बनाई जाए और न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये सुनिश्चित किया जाए। मिड-डे मील कर्मियों का मानदेय 10,000 रुपये करने, सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण और सम्मानजनक वेतन देने की भी मांग की गई। असंगठित क्षेत्र और पटरी व्यवसायियों की सुरक्षापटरी-रेहड़ी दुकानदारों को स्थायी स्थान देने, पुलिस उत्पीड़न रोकने, ई-रिक्शा व ऑटो चालकों को स्टैंड उपलब्ध कराने और उन्हें सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की मांग भी प्रमुख रही।ग्रामीण, दिहाड़ी मजदूर, धोबी, दर्जी, नाई, बढ़ई, लुहार, मोची, कुम्हार समेत असंगठित क्षेत्र के सभी कामगारों को मजदूर की श्रेणी में शामिल कर सामाजिक सुरक्षा कवच देने की मांग दोहराई गई। पुरानी पेंशन और 5 दिवसीय कार्य सप्ताह सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर भी संगठन ने सरकार को घेरा। बैंकिंग उद्योग में 5 दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने और सहकारी बैंकों में वेतनमान विसंगतियां दूर करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन के दौरान दिनेश कुमार शुक्ला (विभाग प्रमुख), सतीश चन्द्र मिश्रा, शशांक मोहन शुक्ला (जिलामंत्री), नरेंद्र कुमार मिश्रा, प्रतीक श्रीवास्तव, प्रेम चंद श्रीवास्तव, डॉ. विनय पाल, किरन शुक्ला (जिलाध्यक्ष आशा), गुंजा सिंह, रंजना शर्मा सहित विभिन्न विभागों के दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे। नेताओं ने कहा यह केवल ज्ञापन नहीं मजदूर वर्ग की पीड़ा का दस्तावेज है। यदि शासन ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

प्रेमी ने बात बंद की तो प्रेमिका ने खुद ब्लेड से रेता अपना गला, फिर रची हमले की झूठी कहानी, हापुड़ पुलिस ने खोली पोल

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में मंगलवार को कुचेसर चौपला से अल्लीपुर मार्ग स्थित एक स्कूल के पीछे खून से लथपथ मिली 21 वर्षीय छात्रा के मामले में नया मोड़ आ गया है। दरअसल, छात्रा का थाना हाफिजपुर क्षेत्र के गांव सादिकपुर के एक युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

शादी की बात करने पर युवती का प्रेमी से विवाद हुआ। जिसमें प्रेमी से उससे बात करनी बंद कर दी। इसे आहत होकर प्रेमिका ने स्वयं धारदार ब्लेड से अपना गला व हाथ काट डाला। स्वजन ने हत्या के प्रयास का आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी थी।

बता दें कि गांव बनखंड़ा की छात्रा शगुन मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे घर से कुचेसर चौपला स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ाई के लिए निकली थी। स्वजन के मुताबिक वह प्रतिदिन सुबह कोचिंग जाती और दोपहर करीब चार से साढ़े चार बजे के बीच घर लौटती थी।

मंगलवार दोपहर स्थानीय लोगों ने स्कूल के पीछे एक युवती को लहूलुहान हालत में पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल छात्रा को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से गढ़ रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में घायल छात्रा के पिता दिनेश कुमार ने बताया कि अज्ञात हमलावर ने धारदार हथियार से पुत्री के गले और हाथ पर कई वार कर उसकी हत्या का प्रयास किया है।

छात्रा बोली- 'प्रेमी ने नहीं की बात'

प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने छात्रा से पूछताछ की। जिसमें छात्रा ने बताया कि पिछले करीब एक वर्ष से उसका थाना हाफिजपुर क्षेत्र के गांव सादिकपुर के एक युवक से प्रेम प्रसंग चला आ रहा है। वह अपने सभी भाई-बहनों में सबसे बड़ी है। वहीं, प्रेमी का एक बड़ा भाई व एक छोटी बहन है। प्रेमी के बड़े भाई के अविवाहित होने के चलते उसकी शादी में अड़चन आ रही थी। प्रेमी ने उसे भरोसा दिया कि बड़े भाई की शादी होने के बाद वह उससे विवाह कर लेगा। मगर, वह जल्द ही शादी करने की जिद पर अड़ गई। इस पर प्रेमी ने उससे बात करनी बंद कर दी। इसके चलते वह मानसिक रूप से परेशान हो गई। इसी कारण वह घटना स्थल के पास सरसों के खेत के बीच में पहुंची। जहां उसने स्वयं ब्लेड से अपने गले व हाथ पर वार किया। स्वजन के डर से उसने किसी अज्ञात युवक द्वारा उस पर जानलेवा हमला करने की जानकारी उन्हें दी थी।

छात्रा ने प्रेम-प्रसंग के चलते स्वयं को घायल किया है। मामले में युवक पक्ष से भी पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- मुनीष प्रताप चौहान, प्रभारी निरीक्षक, थाना बाबूगढ़

डंपर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल दंपति की दर्ज नहीं हुई एफआईआर

सुल्तानपुर। तहसील क्षेत्र बल्दीराय के अंतर्गत हलियापुर थाना क्षेत्र के कूरेभार मोड़ पर विगत 9 जनवरी की शाम सात बजे मिट्टी ढो रहे एक डंपर की टक्कर से पूरे कांशीराम गांव निवासी रमेश मिश्र और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगो की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए सौ शैया अस्पताल पिठला पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रमेश मिश्र व उनकी पत्नी को रेफर कर दिया गया, डाक्टरो ने दंपति को भर्ती कर लिया रमेश ने बताया कि उसकी पीठ और कमर की हड्डी में फ्रैक्चर है, हाथ पैर में भी गंभीर चोट है जिससे वे चलने-फिरने में असमर्थ हैं। आर्थिक तंगी के चलते इस दंपति का इलाज सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। पीड़ित रमेश मिश्र ने बताया कि वे किराए के कमरे में रहकर जीवन-यापन करते हैं।

संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों ने प्रमुख मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। संघ का कहना है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत कर्मचारी वर्षों से संविदा पर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें स्थायित्व, वेतनमान और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं अब तक नहीं मिल पाई हैं।ज्ञापन में कर्मचारियों ने मांग की है कि पोर्टल के माध्यम से वेतन भुगतान में आ रही तकनीकी समस्याओं को दूर किया जाए और हर माह समय से वेतन जारी किया जाए। इसके साथ ही स्वास्थ्य बजट में पर्याप्त वृद्धि कर प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। संघ ने आईपीएचएस मानकों के अनुरूप नए पद सृजित करने और वर्षों से कार्यरत कर्मियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग उठाई है। उनका

कहना है कि कई कर्मचारी 10 वर्ष या उससे अधिक समय से सेवा दे रहे हैं, ऐसे में उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस नीति बनाई जानी चाहिए। कर्मचारियों ने वेतन विसंगतियों को दूर कर स्पष्ट और पारदर्शी वेतन नीति लागू करने, वार्षिक वेतन वृद्धि सुनिश्चित करने तथा अनुभव आधारित लाभ देने की भी मांग की है। इसके अलावा सभी कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ, ग्रेच्युटी सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने पर जोर दिया गया है। संघ ने समान कार्य के लिए समान वेतन, आउटसोर्सिंग व्यवस्था की समाप्ति और राज्य स्वास्थ्य समिति अथवा आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मियों के समायोजन की भी मांग रखी है। उनका कहना है कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में एनएचएम कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनके हितों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आगे आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

शंकराचार्य के अपमान पर कांग्रेस सख्त, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ कथित दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के मामले को लेकर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजकर कांग्रेस नेताओं ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह मामला केवल एक संत का नहीं, बल्कि सनातन परंपरा और करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है। माघ मास जैसे पावन अवसर पर शंकराचार्य जी को स्नान से वंचित किया जाना धार्मिक अधिकारों का खुला हनन बताया गया है। साथ ही पुलिस द्वारा कथित दुर्व्यवहार और झूठे मुकदमे दर्ज कर दबाव बनाने के आरोप भी लगाए गए हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि गैर-भाजपा शासित राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की स्वतंत्र समिति गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा आरोपित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर कठोर कार्रवाई की जाए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष शकील अंसारी ने दो टूक कहा कि संतों का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा। 15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो सुल्तानपुर से लखनऊ तक निर्णायक आंदोलन होगा। वरिष्ठ नेता हरीश त्रिपाठी ने कहा कि धर्मगुरुओं के सम्मान से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं होगा, सरकार तुरंत कार्रवाई करे। सलाहुद्दीन हाशमी ने कहा कि संत समाज का अपमान देश की आस्था पर चोट है, कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। जफर खान ने कहा कि अगर न्याय नहीं मिला तो यह आंदोलन जनआंदोलन बनेगा और जवाब सड़कों पर दिया जाएगा। राजेश तिवारी ने कहा कि माघ मास में धार्मिक अधिकारों का हनन लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है, जिम्मेदार अधिकारियों को हटाया जाए। रणजीत सिंह सलूजा ने कहा कि संतों के सम्मान की रक्षा के लिए कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी। हौशिला भीम ने कहा कि सत्ता के दबाव से आस्था को नहीं दबाया जा सकता, कार्रवाई नहीं हुई तो आर-पार की लड़ाई होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई नहीं की गई तो चरणबद्ध और व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस मौके पर अतहर नवाब,राम किशोर, असलम अंसारी, हाजी फिरोज, विकास मिश्रा, मो मंसूर, अजय मिश्रा, दिनेश तिवारी, मोहसिन सलीम, इकराम खान, अवधेश गौतम, विनय कुमार, महेश सिंह, आलोक पाण्डेय, जनेश्वर उपाध्याय, अखंड मिश्रा समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

आल इंडिया कंपनी सेक्रेटरी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए श्रेयम तिवारी

कादीपुर/सुल्तानपुर। नगरपंचायत कादीपुर के निवासी व संत तुलसीदास पीजी कॉलेज में बीएड विभाग के कार्यालय अधीक्षक डॉ सुरेन्द्र प्रताप तिवारी के छोटे पुत्र श्रेयम तिवारी ने आल इंडिया कम्पनी सेकेट्री परीक्षा में अण्डर 06 रैंक से सी.यस. प्रोफेशनल परीक्षा उत्तीर्ण किया है। राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा का परिणाम 25 फरवरी 2026 को घोषित हुआ। बताते चलें कि आल इंडिया कंपनी सेक्रेटरी परीक्षा (सी.यस.इक्जाम) भारत में आई.सी.यस.आई. द्वारा आयोजित की जाती है। यह एक प्रतिष्ठित प्रोफेशनल कोर्स है, जो कंपनी लॉ, कॉर्पोरेट गवर्नेंस, कॉम्प्लायंस, फाइनेंस आदि में विशेषज्ञता प्रदान करता है। जिसे अक्सर "सी.यस." कहा जाता है। दिसम्बर-2025 सेशन के सी.यस. प्रोफेशनल और सी.यस. इक्सक्यूटिव परीक्षा का रिजल्ट 25 फरवरी 2026) घोषित किया गया। श्रेयम तिवारी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरू जनों व माता पिता एवं परिवार के सदस्यो के सहयोग व आशीर्वाद का प्रतिफल बताया है।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के आवास पर आयकर विभाग का छापा, बलिया–लखनऊ में खंगाले दस्तावेज

आर्यावर्त संवाददाता

बलिया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश में एकमात्र विधायक उमाशंकर सिंह के आवास पर आयकर विभाग ने बुधवार की सुबह सर्वे की कार्रवाई की है। यह कार्रवाई बुधवार सुबह लखनऊ के साथ-साथ बलिया जलि में भी की गई। आयकर विभाग के अधिकारी कई गाड़ियों के साथ विधायक के आवास पर पहुंचे, जहां बलिया पुलिस भी उनके साथ थी। अधिकारियों ने विधायक के आवास को चारों ओर से घेर लिया और आने-जाने पर रोक लगा दी।

उमाशंकर सिंह बसपा से फलिहाल प्रदेश के इकलौते विधायक हैं। वह इस समय कैसर रोग से पीड़ित हैं और खनवर स्थित आवास में वह चिकित्सकीय वजहों से आइसोलेशन में रह रहे हैं। जबकि विधायक के भाई रमेश सिंह और उनके पिता और पूरा परिवार घर पर मौजूद है। जांच टीम ने परिवार के पूरी तरह से बाहर आने जाने पर रोक लगा दी है।

इस कार्रवाई के दौरान आयकर विभाग की टीम ने विधायक के आवास में फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और अन्य रिकॉर्ड खंगालने का कार्य शुरू किया। सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग वित्तीय लेन-देन और संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच कर रहा है। हालांकि, इस मामले में आयकर विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

विधायक उमाशंकर सिंह के बलिया स्थित प्लांट के अंदर भी जांच टीम पहुंची है। लेकिन, प्लांट के बाहर गेट बंद कर दिया गया है, जिससे किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उमाशंकर सिंह, जो कि बसपा के एक प्रमुख नेता माने जाते हैं, के खिलाफ यह कार्रवाई उनके वित्तीय लेन-देन को लेकर उठते सवालों के बीच की गई है। इस छापे ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है और यह देखने योग्य होगा कि इस मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

आयकर विभाग की इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ लोग इसे राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में देख रहे हैं, जबकि अन्य इसे कानून के दायरे में उचित कार्रवाई मानते हैं। आयकर विभाग की यह कार्रवाई राजनीतिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, और इसके परिणामों का सभी को इंतजार रहेगा।

एक मौत और दो मर्डर... यहां से शुरू हुई नोएडा के नितिन नागर हत्याकांड की कहानी, गैंगस्टर सुंदर भाटी गैंग से भी निकला लिंक

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा का लुक्सर इलाका मंगलवार दोपहर के वक्त, गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। यहां 27 साल के नितिन नागर की गोली मारकर सरेआम हत्या कर दी गई। आरोप है कि बाद में उसका गला भी काट दिया गया। हादसे की खौफनाक तस्वीरें पास लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुईं।

इस हत्याकांड में पुलिस ने मुख्य आरोपी मोनू को मुठभेड़ के बाद अरेस्ट कर लिया है। मोनू हत्याकांड के बाद भागने की फिराक में था। मगर पुलिस ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया। हालांकि, दो अन्य आरोपी फरार हैं। जो दो आरोपी फरार हैं, उनमें से एक का नाम सचिन है। इस मर्डर की कहानी काफी फिल्मी है। चलिए शुरुआत से जानते हैं कि आखिर कहानी कहानी शुरू कहां से हुई।

दरअसल, नितिन नागर नामक युवक की विनय से दोस्ती थी। दोनों साप्ताहिक बाजार में बिजली सप्लाई का काम करते थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर नितिन और सचिन की लड़ाई हो गई। फिर इसी बीच नितिन के पिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। नितिन के परिवार को लगा कि ये साधारण मौत नहीं, बल्कि हत्या है। हत्या का शक उन्हें विनय के भाई सचिन पर हुआ। उन्होंने इसके लिए FIR भी दर्ज करवानी चाहिए। मगर पुलिस ने इसे फर्जी केस बताकर मामला दर्ज नहीं किया। मगर नितिन के अंदर गुस्सा पनप रहा था। फिर 17 अगस्त को नितिन ने अपने साथियों के साथ मिलकर विनय की गोली मारकर हत्या कर दी। इसी केस में विनय जेल भी गया।

मगर विनय के भाई सचिन के मन में बदला लेने का टीस जगी। वो किसी भी हालत में नितिन को जिंदा नहीं छोड़ना चाहता था। उसने भी अपने दोस्तों के साथ मिलकर नितिन की हत्या का प्लान बनाया। बताया जा रहा है कि सचिन और उसके साथियों का लिंक सुंदर भाटी गैंग से है।

कोर्ट जाने के लिए घर से निकला था नितिन

इसी बीच नितिन जमानत पर बाहर आया। उसे मंगलवार के दिन कोर्ट जाना था। वो घर से कोर्ट जाने के लिए निकला। उसकी गाड़ी गली में ही खड़ी होती है। जैसे ही वो गाड़ी की तरफ जाने लगा, तीनों हमलावर (सचिन, मोनू, जीते) सामने से आए। तब गली में कुछ बच्चे भी खेल रहे थे। हमलावरों ने नितिन को पीटना शुरू किया। ये देख बच्चे भी सहम गए। वो यहां वहां भागने लगे। तभी नितिन की पत्नी श्वेता भी चीख-पुकार सुनकर बाहर निकली। वो हमलावरों के सामने पति को बख्श देने की गुहार लगाती रही। मगर हमलावरों ने उसे गोली दिखाकर डराया।

पहले गोली मारी, फिर गला रेत डाला

फिर एक हमलावर नितिन को गोली मारकर भाग गया। बाकी दो हमलावर नितिन को पीटते रहे। आरोप है कि उन्होंने नितिन का धारधार हथियार से गला भी काट दिया। फिर वो दोनों भी वहां से भाग गए। मगर मर्डर की ये खौफनाक वारदात सीसीटीवी में कैद हो चुकी थी। आनन-फानन में परिजन और आस पड़ोस के लोग नितिन को अस्पताल लेकर पहुंचे। मगर तब तक देर हो चुकी थी। नितिन की मौत हो चुकी थी।

दो हमलावरों की अभी भी तलाश जारी

पुलिस को तुरंत सूचना दी गई। पुलिस ने फिर तीनों की तलाश शुरू की। पुलिस को पता चला कि मोनू कहीं बाहर भागने की फिराक में है। पुलिस ने उसका पता लगा लिया। पुलिस को सामने आता देख मोनू ने उन पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में मोनू घायल हो गया। उसके पैर पर गोली लगी। पुलिस ने तुरंत मोनू को अरेस्ट कर उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। यहां उसका इलाज जारी है। मोनू के कब्जे से पुलिस ने अवैध तमंचा जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। बाकी दो आरोपियों की बहरहाल पुलिस तलाश कर रही है। दावा है कि जल्द ही वो भी सलाखों के पीछे होंगे। इस केस में कुल 7 नामजद समेत 10 लोगों पर FIR दर्ज है।

'छत पर भी खड़े थे दो अन्य हमलावर'

परिजनों का तो ये भी कहना है कि हमलावर तीन नहीं बल्कि पांच थे। दो हमलावर छत पर भी थे। उन्होंने भी ऊपर से गोली चलाई। फिर छत के रास्ते से वो दोनों भी भाग गए। चश्मदीदों की मानें तो, जब नितिन को मारा जा रहा था तब उसकी पत्नी श्वेता गेट खोलकर बाहर निकली थी। वो उसे बचाने आ रही थी। मगर हमलावर ने उस पर भी गोली चला दी, जो सीधे गेट में जा लगी। मामले में कुछ दो सीटीटीवी सामने आए हैं। सीसीटीवी में सिर्फ तीन ही हमलावर दिखे हैं। देखना होगा कि केस में आगे क्या होता है।

होली पर घर जाना हुआ आसान, इस रूट पर चलेंगी 11 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। रेलवे ने होली के त्योहार के मद्देनजर कई होली स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इनमें 11 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का स्टापेज इटावा जंक्शन को भी दिया गया है।

यह स्टापेज 28 फरवरी से शुरु होकर 11 मार्च तक रहेगा। इनमें मुंबई, दिल्ली, सूरत, दनकुनी बिहार, प्रयागराज एवं झांसी रूट की ट्रेनें भी शामिल हैं। जिससे स्पेशल ट्रेनों के जरिए अपने घरों से दूर रह रहे लोग आसानी से अपने घर पर त्योहार मनाने आ सकेंगे। साथ ही होली के पर्व पर ट्रेनों में रहने वाली भीड़भाड़ से भी राहत मिलेगी।

इटावा जंक्शन पर जिन स्पेशल ट्रेनों का ठहराव मिला है- उनमें गाड़ी संख्या 04125-26 प्रयागराज मुंबई, गाड़ी संख्या 02275-76 सूबेदारगंज दिल्ली, गाड़ी संख्या 04053-54 बरौनी नई दिल्ली, गाड़ी संख्या 04059-60 नई दिल्ली सोपाल, गाड़ी संख्या 03009-10 आनंद विहार दनकुनी जंक्शन, गाड़ी संख्या 09525-26 हापा नाहरगुन, गाड़ी संख्या 09117-18 सूरत प्रयागराज, गाड़ी संख्या 01929-30 झांसी खुरदा तथा गाड़ी संख्या 03007-08 और गाड़ी संख्या 02421-22 ट्रेनें शामिल है।

पहले दिन यूपी को मिला 11 हजार करोड़ का निवेश, नोएडा में बनेगा जापानी औद्योगिक शहर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन 11 हजार करोड़ रुपये के निवेश को लेकर विभिन्न कंपनियों के साथ इन्वेस्ट यूपी ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री के जापान के टोक्यो पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। वहीं टोक्यो में आयोजित यूपी निवेश रोड शो और उच्चस्तरीय बैठकों में मुख्यमंत्री ने जापान के उद्योगपतियों को उत्तर प्रदेश में निवेश का खुला आमंत्रण दिया।

बुधवार को जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचने पर यामानाशी प्रांत के वाइस गवर्नर जुनिचि इशिदरा, जापान में भारत की राजदूत नगमा एम मलिक और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। टोक्यो में अपने स्वागत को लेकर मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया पर टिप्पणी की 'उगते सूरज की नवोन्मेषी भूमि को प्रभु श्रीराम की पावन धरा के 'आदित्य' का नमस्कार।' उन्होंने मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, कोनोइके ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड, कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री (जेएई), नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस सहित अन्य औद्योगिक समूहों के साथ अलग-अलग बैठकों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री के साथ गए 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने नवीकरणीय ऊर्जा, बायो-एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण, आइसीटी, इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग, आइटी पार्क, डिजिटल सर्विसेज, स्टार्टअप इकोसिस्टम और इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट निर्माण, सेमीकंडक्टर एवं एडवांस्ड कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग, डाटा सेंटर एवं क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को लेकर जापानी निवेशकों के साथ चर्चा की।

कोनोइके ट्रांसपोर्ट के वरिष्ठ प्रबंध कार्यकारी अधिकारी शिगेकी तानाबे के साथ हुई बैठक में लाजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग और मल्टी-माडल ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क को जापानी कंपनियों के लिए सुनहरा अवसर बताया।

उन्होंने जापानी कंपनियों को मेडिकल उपकरण निर्माण इकाईयां स्थापित करने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, एक्सप्रेसवे नेटवर्क, डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर और विकसित हो रहे औद्योगिक क्लस्टर्स के कारण निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान कर रहा है। उत्तर प्रदेश सीधे ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर से जुड़ा है, जिससे निर्यातोन्मुख उद्योगों को लागत और समय दोनों में लाभ मिलता है। रोड शो के दौरान मिंडा कारपोरेशन के कार्यकारी निदेशक आकाश मिंडा ने इलेक्ट्रानिक्स बैकवर्ड इंटीग्रेशन, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और इलेक्ट्रिक व्हीकल मोबिलिटी क्षेत्र में निवेश की घोषणा की, जिससे अगले दो-तीन वर्षों में तीन से चार हजार रोजगार सृजित होने की संभावना है। मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव अफसर राहुल भारती सहित कई उद्योगपतियों ने उत्तर प्रदेश में हुए "मेगा ट्रांसफारमेशन" की सराहना की। टोक्यो में आयोजित रोड शो को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास 500 एकड़ में जापान का औद्योगिक शहर विकसित किया जा रहा है। यहां जापानी कंपनियों को क्लस्टर आधारित औद्योगिक वातावरण, बेहतर लाजिस्टिक्स और निर्यात सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश 25 करोड़ की आबादी के साथ देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। राज्य की जितनी बड़ी आबादी है उतनी ही विशाल संभावनाएं भी हैं। पिछले नौ वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जो प्रदेश कभी 'बीमारू' कहा जाता था, वह आज भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश इसलिए सुरक्षित है क्योंकि यहां स्केल (बड़ा बाजार), स्किल (कुशल युवा शक्ति), स्टेबिलिटी (नीतिगत स्थिरता) और स्पीड (तेज निर्णय प्रक्रिया) चारों उपलब्ध हैं।

गोमती नगर विस्तार में केबल चोरी का खुलासा, सिक्योरिटी गार्ड ही निकला चोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र स्थित इनाया रायल हाइट्स में एल्मुनियम बंच एवं एल्मुनियम आर्म्ड केबिल चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए नामित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला व्यक्ति वहीं तैनात सिक्योरिटी गार्ड निकला।प्रकरण के अनुसार 15 फरवरी 2026 को योगेन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय विजय कुमार सिंह, निवासी शाहपुर चिनहट, जो वर्तमान में एलर्ट मल्टी सोल्यूशन सिक्योरिटी कंपनी लखनऊ में फील्ड ऑफिसर हैं, ने लिखित शिकायत दी थी कि अज्ञात चोर द्वारा इनाया रायल हाइट्स, गोमती नगर विस्तार से एल्मुनियम बंच एवं एल्मुनियम आर्म्ड केबिल चोरी कर ली गई है। इस सूचना पर थाना गोमती नगर विस्तार में मु0अ0सं0 029/2026 धारा 305(ए) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया और विवेचना उप निरीक्षक उपेन्द्र गिरी को सौंपी गई।जांच के दौरान 24 फरवरी 2026 को रात लगभग 8:20 बजे सेक्टर-1 स्थित ग्वारी पुल के नीचे पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में एक युवक को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से चोरी की तार बेचकर बचे 910 रुपये तथा एक सफेद बोरी में बिजली के तार (करीब 6.650 किलोग्राम) और छिला हुआ कॉपर वायर (करीब 1 किलोग्राम) बरामद हुआ। पूछताछ में उसकी पहचान आदर्श सिंह पुत्र अमर सिंह, निवासी बक्तूखेड़ा थाना अजगैन जनपद उन्नाव, वर्तमान पता खेवली थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ, उम्र 23 वर्ष के रूप में हुई।

केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी में वैश्विक कंपनियों से की उच्चस्तरीय बैठकें, उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर जोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने की मंशा के अनुरूप, प्रदेश को वैश्विक निवेश एवं उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से जर्मनी प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कैबिनेट मंत्री (सूचना प्रौद्योगिकी) सुनील कुमार के साथ अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं।उप मुख्यमंत्री ने जापान की बहुराष्ट्रीय कंपनी Fujikura Ltd. के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ उन्नत सेंसर प्रौद्योगिकी, स्वचालित मंच तथा स्मार्ट अवसंरचना से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में उत्तर प्रदेश में प्रारूप निर्माण एवं उन्नत विनिर्माण इकाई स्थापित करने की संभावनाओं, वाहन एवं विद्युत वाहन क्षेत्र के लिए स्मार्ट सेंसर एवं इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के निर्माण, स्मार्ट सिटी एवं डिजिटल अवसंरचना परियोजनाओं में सहभागिता तथा अनुसंधान एवं नवाचार आधारित सहयोग मॉडल पर चर्चा हुई। कंपनी ने प्रदेश में अपनी विनिर्माण गतिविधियों की स्थापना को लेकर रुचि व्यक्त की।इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने जर्मनी की अग्रणी ड्रोन निर्माण कंपनी Quantum-Systems GmbH के साथ बैठक कर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संभावित निवेश मॉडल तथा उत्तर प्रदेश में उन्नत ड्रोन विनिर्माण एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के अवसरों पर विमर्श किया। बैठक में रक्षा एवं नागरिक उपयोग हेतु अत्याधुनिक मानवरहित विमान प्रणालियों के विकास, रक्षा औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत औद्योगिक सहयोग तथा अनुसंधान एवं कौशल विकास के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई।इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री ने TelefÓnica O2 तथा HENSOLDT के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में दूरसंचार, डिजिटल अवसंरचना, रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्नत संचार नेटवर्क, सुरक्षित संपर्क व्यवस्था, आधुनिक सेंसर एवं विमानन प्रणालियां, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध मंच तथा परीक्षण एवं उत्पादन केंद्र की स्थापना की संभावनाओं पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया।कंपनी प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश के रक्षा औद्योगिक गलियारे, सुदृढ़ औद्योगिक आधारभूत संरचना एवं निवेश-अनुकूल नीतियों की सराहना करते हुए प्रदेश में दीर्घकालिक साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक रुख व्यक्त किया।प मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, विश्वस्तरीय द्रुतगामी मार्ग नेटवर्क, रक्षा औद्योगिक गलियारा, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर तथा पारदर्शी औद्योगिक नीतियां निवेशकों के लिए आदर्श वातावरण प्रदान कर रही हैं।

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात का खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के मध्य जोन के अंतर्गत आशियाना थाना क्षेत्र में हुई सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने ही पिता की लाइसेंसी रायफल से गोली मारकर हत्या की और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव के टुकड़े कर अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया। पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने स्वयं ही अपने पिता की गुमशुदगी की झूठी रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 2026 को अक्षत प्रताप सिंह पुत्र स्वर्गीय मानवेन्द्र सिंह, निवासी सेक्टर-एल, मकान संख्या-91, एलडीए कॉलोनी, आशियाना, लखनऊ ने थाना आशियाना पर अपने पिता के गुमशुदा होने की तहरीर दी, जिस पर गुमशुदगी संख्या 06/2026 पंजीकृत की गई। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान सूचनाकर्ता के बयान संदिग्ध प्रतीत हुए। जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई तो वह टूट गया और अपने ही पिता की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। पूछताछ में सामने आया कि नीट की प्रतियोगी परीक्षा को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते 20 फरवरी 2026 को शाम लगभग 4:30 बजे आरोपी ने अपने पिता को उनकी ही लाइसेंसी .315 बोर रायफल से गोली मार दी। हत्या के बाद आरोपी ने अपराध छिपाने के उद्देश्य से चाकू और आरी की मदद से शव के हाथ-पैर काट दिए। कटे हुए अंगों को पॉलिथीन में लपेटकर नादरगंज क्षेत्र में नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। जबकि धड़ को घर के भीतर नीले प्लास्टिक ड्रम में छिपाकर रखा गया। पुलिस को भ्रमित करने के लिए उसने गुमशुदगी की झूठी सूचना दर्ज कराई।मामले का खुलासा होने पर थाना आशियाना में मु0अ0सं0 51/2026 धारा 103(1), 238, 217 बीएनएस तथा आर्म्स एक्ट की धारा 4/9/25/27 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना प्रभारी निरीक्षक आशियाना को सौंपी गई। पुलिस उपायुक्त, मध्य के निर्देश पर गठित टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर घर में रखे नीले ड्रम से शेष शव बरामद किया। नादरगंज के पास नहर किनारे झाड़ियों से कटे हुए हाथ-पैर बरामद किए गए। ट्रांसपोर्ट नगर रेलवे ट्रैक के पास कूड़े में फेंके गए दो चाकू और दो आरी बरामद हुए। अनौरा जंगल, सरोजनीनगर क्षेत्र से जली हुई वूलेन चादर और राख भी बरामद की गई। हत्या में प्रयुक्त लाइसेंसी .315 बोर रायफल, कारतूस, खोखा कारतूस तथा अन्य साक्ष्य भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिए।अभियुक्त अक्षत प्रताप सिंह, उम्र 21 वर्ष, को 24 फरवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया और साक्ष्य मिटाने के लिए सुनियोजित तरीके से शव के टुकड़े कर विभिन्न स्थानों पर फेंक दिए।

लखनऊ व्यापार मंडल की कोर कमेटी बैठक में सुहैल हैदर अल्वी व मनीष वर्मा की घर वापसी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल की कोर कमेटी की बैठक व्यापार भवन, लाटूश रोड, लखनऊ में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक एकजुटता, व्यापारियों के हितों और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान सुहैल हैदर अल्वी एवं मनीष वर्मा ने घर वापसी की घोषणा करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल उनका परिवार है और वे इसी संगठन में रहेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ परिस्थितियों के कारण दूरी बनी थी, लेकिन अब वे पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ पुनः संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेते हैं। उनका उद्देश्य व्यापारियों के हितों की रक्षा करना और संगठन को और अधिक मजबूत बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पहले भी संगठन के साथ थे, वर्तमान में भी हैं और आगे भी जुड़े रहेंगे।उनके इस निर्णय का बैठक में उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया और इसे संगठन की मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बैठक में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अशोक, देवेंद्र गुप्ता, उमेश शर्मा, जितेंद्र सिंह चौहान, सतीश अग्रवाल, रविंद्र गुप्ता (युवा अध्यक्ष), मनीष गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।अंत में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकजुटता बनाए रखने तथा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष और सक्रिय कार्य करने का संकल्प दोहराया।

• संक्षेप •

योगी आदित्यनाथ ने टोक्यो में मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड को उत्तर प्रदेश में निवेश का दिया आमंत्रण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को भविष्य की अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के पहले दिन टोक्यो पहुंचकर जापान की अग्रणी वैश्विक व्यापार एवं निवेश कंपनी मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड के प्रबंध अधिकारी एवं अवसंरचना परियोजना इकाई के मुख्य परिचालन अधिकारी काजुकी शिमिजु से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में व्यापक निवेश संभावनाओं को तलाशने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने चार प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विशेष बल दिया। इनमें नवीकरणीय ऊर्जा के अंतर्गत सौर ऊर्जा, जैव ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन तथा ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं शामिल हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण, डिजिटल सेवाएं तथा नव उद्यम तंत्र पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त अर्धचालक निर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला के विस्तार को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।चौथे प्रमुख क्षेत्र के रूप में आंकड़ा केंद्र अवसंरचना पर बल दिया गया, जिसमें विशाल आंकड़ा केंद्र, मेघ संगणना अवसंरचना तथा डिजिटल संपर्क केंद्र जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत-जापान औद्योगिक सहयोग को नई गति देने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के साथ उत्कृष्ट संपर्क व्यवस्था, समर्पित माल ढुलाई गलियारा, विस्तृत द्रुतगामी मार्ग नेटवर्क तथा तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक समूहों के कारण निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।उन्होंने राज्य सरकार की उद्योग समर्थक नीतियों, एकल खिड़की स्वीकृति प्रणाली तथा समयबद्ध अनुमति प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी और परिणामोन्मुख वातावरण उपलब्ध कराता है।

मोहनलालगंज में नाबालिग के अपहरण प्रकरण का खुलासा, नामित अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका के अपहरण के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। इस प्रकरण में दर्ज मुकदमे के आधार पर पुलिस ने पीड़िता की सकुशल बरामदगी के साथ-साथ मुख्य आरोपी को भी हिरासत में लेकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 फरवरी 2026 को शिकायतकर्ता ने थाना मोहनलालगंज में सूचना दी कि उनकी लगभग 17 वर्षीय पुत्री 17 फरवरी 2026 की शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच घरेलू सामान लेने के लिए दुकान गई थी। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे जीत बहादुर पुत्र नन्हू लोधी तथा दिलीप पुत्र जामवंत लोधी ने उसे जबरन वाहन में बैठाकर ले गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए मु0अ0स0 70/26 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया और तत्काल एक विशेष टीम का गठन कर तलाश अभियान शुरू किया।पुलिस टीम ने विभिन्न संभावित स्थानों पर दबिश दी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। लगातार प्रयासों के बाद 24 फरवरी 2026 को पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया। पीड़िता के बयान और अन्य साक्ष्यों के संकलन से यह तथ्य सामने आया कि मुख्य अभियुक्त जीत बहादुर द्वारा उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया था। इस आधार पर मुकदमे में धारा 87 बीएनएस की बढ़ोतरी की गई और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए।तलाश के दौरान 25 फरवरी 2026 को नामित अभियुक्त जीत बहादुर पुत्र नन्हू, निवासी ग्राम अहमदखेड़ा, थाना मोहनलालगंज, जनपद लखनऊ, उम्र लगभग 24 वर्ष, को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। दूसरे नामित आरोपी की भूमिका की भी जांच की जा रही है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की विवेचना जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के खुलासे से क्षेत्र में फैली चिंता कम हुई है और पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नाबालिगों से संबंधित मामलों में सख्त और त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

गन्ना पर्ची डिग्रेड कर खरीद करने वाली चीनी मिलों पर होगी कड़ी कार्रवाई

लखनऊ। प्रदेश की कुछ चीनी मिलों द्वारा गन्ना किसानों को निर्गत गन्ना आपूर्ति पर्ची पर अंकित प्रजाति को डिग्रेड कर गन्ना खरीद करने की जानकारी संज्ञान में आई है। इस संबंध में विभागीय टोल फ्री नंबर पर भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। स्पष्ट किया गया है कि किसानों की लिखित सहमति के बिना गन्ना पर्ची डिग्रेड कर गन्ना तौल करने वाली चीनी मिलों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इस संबंध में जिला एवं परिक्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे प्रकरणों की विधिसम्मत एवं संगत नियमों के अनुरूप जांच कराई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसान द्वारा लाए गए गन्ने को डिग्रेड प्रजाति में परिवर्तित कर तौल करने से पूर्व किसान की लिखित सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि चीनी मिलें किसान द्वारा आपूर्ति के लिए लाए गए गन्ने को किसी भी स्थिति में वापस न करें, बल्कि किसानों को पूरी जानकारी देकर उनकी लिखित सहमति के उपरांत ही तौल की कार्रवाई करें।कृषकों से अपील की गई है कि गन्ना आपूर्ति के समय प्रजाति डिग्रेड किए जाने संबंधी किसी प्रकार की समस्या होने पर वे विभागीय टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 121 3203 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश ने दशमोत्तर छात्रवृत्ति भुगतान की संशोधित समय-सारिणी जारी की

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में दशमोत्तर कक्षाओं (कक्षा 11-12 को छोड़कर) में अध्ययनरत वंचित सभी वर्गों के छात्रों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान सुनिश्चित करने हेतु संशोधित समय-सारिणी जारी की है।जारी कार्यक्रम के अनुसार विश्वविद्यालय एवं संबद्धता प्रदान करने वाली संस्थाओं को वास्तविक छात्रों का सत्यापन कर अपात्र छात्र, पाठ्यक्रम एवं संस्थाओं को 27 फरवरी 2026 तक अवरुद्ध करना होगा। इसके पश्चात जनपदीय समिति द्वारा 1 मार्च 2026 तक डाटा लॉक किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दौरान "बढ़ता नशा—भटकता युवा" विषय पर संवाद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस पर "बढ़ता नशा—भटकता युवा" विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय (नवीन परिसर) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों से सारगर्भित संवाद किया।अपने संबोधन में श्री चौहान ने कहा कि युवा जीवन अत्यंत अनमोल है और इसका उद्देश्य केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक उन्नति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि लोककल्याण की भावना भी उसमें समाहित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियंता बनने जा रहे विद्यार्थियों की सामाजिक जिम्मेदारी अधिक है, इसलिए उनका जीवन नशामुक्त होना चाहिए।उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्त रखने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि गुटखा-खैनी की पहली चुटकी, बीयर-शराब का पहला घूंट और बीड़ी-सिगरेट की पहली फूंक ही नशे की पहली सीढ़ी होती है, जिससे जीवनभर दूर रहना चाहिए।मुख्य वक्ता की प्रेरणादायी बातों और जीवन के उदाहरणों ने विद्यार्थियों के मन में नया उत्साह भर दिया। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि एक सामाजिक चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक जागरूकता और दृढ़ संकल्प से ही संभव है।इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-1 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक गुप्ता एवं इकाई-2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. खुशबू वर्मा ने शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई तथा राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किया गया।

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 38 जनपदों में नाविकों को वितरित की जाएंगी 66 हजार से अधिक लाइफ जैकेट

लखनऊ। प्रदेश की नदियों में संचालित पंजीकृत नावों के नाविकों एवं यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी के माध्यम से 38 जनपदों की पंजीकृत नौकाओं के स्वामियों को लाइफ जैकेट वितरित किए जाएंगे।इस संबंध में संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी के नियंत्रण में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। राहत आयुक्त द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं कि 15 दिनों के भीतर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लाइफ जैकेट का वितरण सुनिश्चित किया जाए।राहत आयुक्त एवं अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से 38 जनपदों के 811 घाटों पर संचालित 4175 पंजीकृत नौकाओं के लिए कुल 66,077 लाइफ जैकेट क्रय की गई हैं।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 13 हॉबी क्लबों का शुभारंभ, विद्यार्थियों के समग्र विकास पर जोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 25 फरवरी को विद्यार्थियों के रचनात्मक एवं समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हॉबी क्लब का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। मंच पर हॉबी क्लब एवं एनईपी-2020 क्रियान्वयन समिति की अध्यक्ष प्रो. संगीता सक्सेना भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति द्वारा फीता काटकर किया गया तथा बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। विश्वविद्यालय कुलगीत के गायन के बाद आयोजन समिति ने कुलपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. मनोज डडवाल ने किया।विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की बहुआयामी प्रतिभाओं को मंच देने के लिए कुल 13 हॉबी क्लब प्रारंभ किए गए हैं। इनमें म्यूजिक, अर्बन गार्डनिंग, पेंटिंग, फोटोग्राफी, डिजिटल लिटरेसी एवं कंपिटेंसी, योग थेरेपी, क्रिएटिव राइटिंग, कम्युनिटी सर्विस, मेंटल हेल्थ एंड वेलबीइंग, नेचुरोपैथी वेलनेस, बेकर्स क्राफ्ट (नो ओवन नो प्रॉब्लम), डिजास्टर रिस्क रिडक्शन तथा स्पोर्ट्स जैसे क्लब शामिल हैं। इन क्लबों का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रुचियों की पहचान करने, उन्हें निखारने और नई विधाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है, ताकि उनमें आत्मविश्वास, नवाचार और नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल कक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें जीवन के वास्तविक अनुभवों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि हॉबी क्लब विद्यार्थियों को अपने पैशन को प्रोफेशन में बदलने की दिशा में प्रेरित करेंगे। 'पंचकोश' सिद्धांत का उल्लेख करते हुए उन्होंने समग्र विकास को व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच तनाव को कम करने, मानसिक संतुलन बनाए रखने और सहानुभूति के साथ समाज से जुड़ने में सहायक सिद्ध होंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में उन्होंने कहा कि एआई पर पूर्ण निर्भरता के बजाय उसका उपयोग मानव कल्याण और नैतिक मूल्यों की उन्नति के लिए किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों से उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए स्वयं को जागरूक और आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में विकसित करने का आह्वान किया।प्रो. संगीता सक्सेना ने कहा कि एनईपी-2020 के माध्यम से बहुविषयक शिक्षा, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट प्रणाली तथा कौशल आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया गया है। हॉबी क्लब इसी सोच का विस्तार हैं, जो विद्यार्थियों को अपनी हॉबी को कौशल और कौशल को करियर में रूपांतरित करने का अवसर देंगे। उन्होंने कहा कि इससे नवाचार, उद्यमिता और जीवनोपयोगी क्षमताओं का विकास होगा।कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने विभिन्न क्लबों के समन्वयकों और विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करती फोटो गैलरी का अवलोकन भी किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने क्लब समन्वयकों को विश्वविद्यालय कैलेंडर भेंट कर सम्मानित किया और उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नये भारत की नई प्रहार नीति, आतंक के हर रूप से अब ऐसे निपटेगा भारत

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने सोमवार को देश की पहली समग्र आतंक विरोधी नीति जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब आतंक के खिलाफ संघर्ष एक संगठित और आक्रामक ढांचे के तहत लड़ा जाएगा। इस नीति का नाम रखा गया है प्रहार। नाम ही संकेत दे रहा है कि यह नीति रक्षात्मक नहीं बल्कि प्रतिघात और प्रतिकार की सोच पर आधारित है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी दस्तावेज में साफ कहा गया है कि भारत को सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद के साथ-साथ साइबर हमलों, ड्रोन के दुरुपयोग और उभरती तकनीकों के जरिये हो रहे हमलों का भी सामना करना पड़ रहा है। दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि अपराधी हैकर और कुछ राष्ट्र लगातार साइबर हमलों के जरिये भारत को निशाना बना रहे हैं। यह खतरा अब केवल बंदूक और बारूद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि की-बोर्ड, कोड और क्रिप्टो वॉलेट तक फैल चुका है।

नीति में यह रेखांकित किया गया है कि भारत जल, थल और नभ तीनों मोर्चों पर आतंकी खतरों से जूझ रहा है। बिजली, रेल, विमानन, बंदरगाह, रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा क्षमता को मजबूत किया गया है ताकि राज्य और गैर राज्य तत्वों की साजिशों को विफल किया जा सके। यह स्पष्ट संकेत है कि अब आतंक के खिलाफ केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई नहीं होगी, बल्कि रणनीतिक तैयारी पहले से की जाएगी। दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष धर्म, जाति या राष्ट्रीयता से नहीं जोड़ता। लेकिन यह भी उतनी ही स्पष्टता से दर्ज किया गया है कि सीमा पार से प्रायोजित जिहादी आतंकी संगठन और उनके सहयोगी भारत के खिलाफ लगातार साजिशें रचते रहे हैं। अल कायदा और आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों का नाम लेते हुए नीति में कहा गया है कि ये संगठन स्लीपर सेल के जरिये भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश करते रहे हैं।

विशेष चिंता का विषय ड्रोन और रोबोटिक तकनीक का दुरुपयोग है, खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में। हथियार और मादक पदार्थ गिराने से लेकर आतंकी हमलों की साजिश तक, तकनीक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। सोशल मीडिया, एनक्रिप्शन टूल, डॉर्क वेब और क्रिप्टो वॉलेट के जरिये फंडिंग और प्रचार का नेटवर्क खड़ा किया जा रहा है। नीति इस डिजिटल युद्ध को पहचानते हुए सीबीआरएनईडी यानी रासायनिक, जैविक, विकिरण, परमाणु, विस्फोटक और डिजिटल सामग्री तक आतंकी पहुंच को रोकने की चुनौती पर जोर देती है। गृह मंत्रालय ने जांच की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर कानूनी विशेषज्ञों को जोड़ने की सिफारिश की है ताकि एफआईआर से लेकर अभियोजन तक केस मजबूत बन सके। यह कदम आतंक के खिलाफ अदालतों में निर्णायक सजा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। कट्टरपंथ के मुद्दे पर भी नीति स्पष्ट है। अक्सर देखने में आता है कि आतंकी संगठन भारतीय युवाओं को बरगलाने की कोशिश करते हैं। ऐसे मामलों में चरणबद्ध पुलिस प्रतिक्रिया, कानूनी कार्रवाई और पुनर्वास कार्यक्रमों का प्रावधान किया गया है। समुदाय और धार्मिक नेताओं की भूमिका को भी रेखांकित करते हुए कहा गया है कि जागरूकता और संवाद के जरिये युवाओं को भटकने से रोका जाएगा। जेलों में भी डि रेडिकलाइजेशन कार्यक्रम चलाने की बात कही गई है। यह नीति केवल घरेलू ढांचा नहीं है। इसमें अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की भी आवश्यकता पर बल दिया गया है, क्योंकि आतंक का नेटवर्क सीमाओं से परे फैला हुआ है। विदेशी संगठन स्थानीय ढांचे और भूगोल का उपयोग कर हमले की साजिश रचते हैं। ऐसे में समन्वित वैश्विक कार्रवाई जरूरी है। देखा जाये तो प्रहार नीति वस्तुतः उस बदले हुए भारत को दर्शाती है जो अब आतंकवाद को नियति मानकर सहने वाला राष्ट्र नहीं रहा। पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमा पार आतंकवाद का जवाब केवल कूटनीतिक नोटिस से नहीं बल्कि निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब यह नीति उस सोच को संस्थागत रूप दे रही है। भारत की प्रहार नीति का सामरिक महत्व अत्यंत गहरा है। यह स्पष्ट संदेश देती है कि भारत बहु आयामी युद्ध को समझता है। आतंक अब केवल सीमा पर घुसपैठ नहीं, बल्कि साइबर स्पेस, वित्तीय नेटवर्क और वैचारिक प्रचार के जरिये भी फैलाया जाता है। प्रहार इन सभी मोर्चों पर एकीकृत प्रतिक्रिया का ढांचा प्रस्तुत करता है। साथ ही यह नीति रक्षात्मक मानसिकता से बाहर निकलकर सक्रिय प्रतिरोध और पूर्व तैयारी की रणनीति अपनाती है। इसके अलावा, यह कानून, तकनीक और समाज तीनों को एक साथ जोड़ती है।

भारतीय आकाश को अभेद्य कवच में बदल देंगे मोदी इजरायल से लेकर आएंगे आयरन बीम लेजर सिस्टम

आयरन बीम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लागत है। जहां पारंपरिक मिसाइल अवरोधन में भारी खर्च आता है, वहीं लेजर किरण से किया गया एक अवरोधन मात्र कुछ डॉलर के बराबर पड़ता है।

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इजरायल दौरा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि यह यात्रा भारत की सुरक्षा ढाल की नींव मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही स्वदेशी बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र के निर्माण में जुटा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2035 तक प्रमुख शहरों और सामरिक प्रतिष्ठानों को मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षित करना है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित 30 किलोवाट क्षमता की उच्च ऊर्जा लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा प्रणाली एमके टू ए इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अब भारत की नजर इजरायल की 100 किलोवाट श्रेणी की आयरन बीम प्रणाली पर है, जो आयरन डोम के साथ मिलकर कम दूरी की रॉकेट, मोर्टार और ड्रोन को कुछ ही क्षणों में ध्वस्त कर सकती है।

आयरन बीम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लागत है। जहां पारंपरिक मिसाइल अवरोधन में भारी खर्च आता है, वहीं लेजर किरण से किया गया एक अवरोधन मात्र कुछ डॉलर के बराबर पड़ता है। ड्रोन झुंड जैसे हमलों के दौर में यह प्रणाली आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टि से क्रांतिकारी साबित हो सकती है।

हम आपको बता दें कि भारत सुदर्शन चक्र के तहत मध्यम और लंबी दूरी की बराक आठ प्रणालियों, एआई आधारित सेंसर और साइबर सुरक्षा तंत्र को एकीकृत कर रहा है। इसी के साथ इजरायल की एरो और डेविड स्लिंग जैसी दूरवर्ती अवरोधन प्रणालियों के तत्वों को भी समझा जा रहा है, ताकि बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार हो सके। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य का युद्ध पारंपरिक सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। उस दौरान भारत ने रैम्पेज मिसाइल, हारोप और हार्पी जैसे कामिकाजे ड्रोन तथा स्पाइस एक हजार सटीक मार्गदर्शित बमों का उपयोग कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाया था। इन प्रणालियों ने सटीकता, मारक क्षमता और तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया था।

हम आपको यह भी बता दें कि फोर्ब्स इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में इजरायल ने भारत के साथ 8।6 अरब डालर के रक्षा सौदों पर सहमति जताई है। इनमें राफेल द्वारा निर्मित स्पाइस एक हजार बम, 250 किलोमीटर मारक क्षमता वाली रैम्पेज वायु से भूमि मिसाइल, एयर लोरा बैलिस्टिक मिसाइल तथा 300 किलोमीटर रेंज वाली आइस ब्रेकर मिसाइल प्रणाली शामिल है। फ्रांस के बाद इजरायल भारत का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन चुका है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा वर्ष 2017 के बाद इजरायल की दूसरी यात्रा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि दोनों देशों के बीच आर्थिक, कूटनीतिक और सुरक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी जाएगी। कनेस्सेट में मोदी का संबोधन इस बढ़ती निकटता का प्रतीक होगा। पिछले नवंबर में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की इजरायल यात्रा के दौरान उन्नत तकनीकों के संयुक्त विकास और सह उत्पादन पर सहमति बनी थी। अब प्रस्तावित समझौता ज्ञापन इस सहयोग को और संस्थागत रूप देगा। भारत केवल खरीददार की भूमिका में नहीं रहना चाहता, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र खड़ा करना चाहता है। देखा जाये तो इजरायल के साथ यह गहन सहयोग दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया के सामरिक समीकरणों को नया आकार देगा। पहला प्रभाव प्रतिरोधक क्षमता में भारी वृद्धि का होगा। यदि आयरन बीम जैसी लेजर प्रणाली सुदर्शन चक्र का हिस्सा बनती है, तो पाकिस्तान की ड्रोन या रॉकेट आधारित रणनीति लगभग निष्प्रभावी हो सकती है। कम लागत में निरंतर अवरोधन की क्षमता दुश्मन के लिए हमले को आर्थिक रूप से भी अलाभकारी बना देगी।

दूसरा प्रभाव मनोवैज्ञानिक होगा। बहुस्तरीय वायु रक्षा कवच से लैस भारत के विरुद्ध आक्रामक कदम उठाने से पहले विरोधी को कई बार सोचना पड़ेगा। यह स्पष्ट संदेश होगा कि भारत अब केवल जवाब नहीं देता, बल्कि पहले से तैयार रहता है।

तीसरा प्रभाव क्षेत्रीय गठजोड़ के रूप में दिखेगा। नेतन्याहू द्वारा प्रस्तावित तथाकथित षटकोणीय गठबंधन, जिसमें भारत, ग्रीस, साइप्रस, अरब और अफ्रीकी देश शामिल हो सकते हैं, कट्टर धुरी के मुकाबले संतुलन की नई धुरी बना सकता है। इससे भारत की पश्चिम एशिया में सामरिक उपस्थिति और ऊर्जा सुरक्षा दोनों मजबूत होंगी।

चौथा प्रभाव तकनीकी आत्मनिर्भरता पर पड़ेगा। एआई, क्वांटम और उच्च प्रौद्योगिकी सहयोग से भारत का रक्षा उद्योग अगली पीढ़ी की युद्ध प्रणालियों में अग्रणी बन सकता है। इस तरह स्पष्ट है कि यह यात्रा केवल द्विपक्षीय औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य की युद्धक तैयारी का खाका है। भारत अब रक्षात्मक प्रतिक्रियावादी राष्ट्र की छवि से बाहर निकलकर तकनीकी रूप से सुसज्जित, बहुस्तरीय और आक्रामक प्रतिरोधक शक्ति बनने की दिशा में बढ़ रहा है। बहरहाल, यदि आयरन बीम, एरो, डेविड स्लिंग जैसी प्रणालियों के तत्व सुदर्शन चक्र में समाहित होते हैं, तो भारतीय आकाश एक अभेद्य कवच में बदल सकता है।

टिप्पणी

कमान शृंखला को लेकर प्रश्न

देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने लद्दाख क्षेत्र में 2020 में हुई घटनाओं के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान शृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं।

पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की कथित रूप से अप्रकाशित किताब कैसे छपे रूप में और उसकी पीडीएफ कॉपियां आम लोगों तक पहुंच गईं, यह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया के लिए अहम मसला हो सकती है, लेकिन देशवासियों के सामने यह मुख्य मुद्दा नहीं है। देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने 2020 में भारतीय सीमा के अंदर चीन की पैठ बनने और उसी क्रम में कैलाश रेंज में हुई घटना के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान शृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं। चूंकि उससे सर्वोच्च राजनीतिक नेतृत्व सवालों के घेरे में आया है, तो कुछ दूसरे हलकों से जनरल नरावणे के कर्त्तव्य निर्वाह के रिकॉर्ड पर निशाने साधे गए हैं।

पूछा गया है कि जब मई- जून 2020 से चीनी सेना ने लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाके में घुसपैठ की, तो उसे रोकने में भारतीय सेना क्यों नाकाम रही? उस दौरान खुद जनरल नरावणे के दिए कुछ बयानों का उद्धरण देते हुए कहा गया है कि तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने चीनी कार्रवाइयों की गंभीरता की या तो उपेक्षा की अथवा उन्होंने उससे देश को नावाकिफ रखा। उधर जनरल नरावणे की किताब से संकेत मिलता है कि सेना को 'टॉपÓ से बिना अनुमति के फायरिंग ना करने का निर्देश था। इसी बीच एक संकटपूर्ण मौका आया और तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने दिशा-निर्देश मांगा, तो राजनीतिक नेतृत्व ने पहले तो लेट-लतीफी की और फिर उन पर डाल दिया गया कि जो उचित लगे उसे वे करें।

विशेषज्ञों के मुताबिक इस पूरे प्रकरण में युद्ध संबंधी टैक्टिकल, ऑपरेशनल, एवं स्ट्रेटेजिक निर्णय प्रक्रिया घालमेल का शिकार हो गई लगती है। चूंकि ये बात बहुचर्चित हुई है, तो भारत के 'दुश्मनोंÓ ने भी उस पर गौर किया होगा। इसलिए असल सवाल ऐसी कमजोरियों को तुरंत दूर करने का है। जरूरी यह है कि इस पर समग्र चर्चा हो और जवाबदेही की शृंखला तय की जाए। इसके विपरीत किताब कैसे सार्वजनिक हो गई, जैसे मुद्दे को योजनाबद्ध ढंग से तरजीह दी जा रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रकाशक के साथ-साथ पुस्तक लेखक भी इसमें सहयोगी बन गए हैं।

००

ब्लॉग

बांग्लादेश की नई सरकार में हिंदू मंत्रियों की आमद

डॉ. रमेश ठाकुर

बांग्लादेश में नवगठित हुकूमत के साथ करीब एक डेढ़–सालों से दंगों का दंश झेल रहे देश में आखिरकार नई सुबह का आगाज हो चुका है। आवाम को इस दिन का लंबे वक्त से इंतजार था। वहां काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनावों में बीएनपी ने बड़े मार्जिन से विजय हासिल की है।

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिड़े भी हैं। वो नहीं चाहते कि बांग्लादेश भारत या उनसे वास्ता रखने लोगों को तवज्जो दे। लेकिन, तारिक रहमान ने उनके नापाक मंसूबों को धता बताते हुए, बड़ी सूझबूझता से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई निर्मम बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू थू करवाई, बल्कि दशको से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया था। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है।

गौरतलब है कि तारिक रहमान के आगाज से पूर्व बांग्ला-हिंदुओं पर किस तरह के अत्याचार हुए हैं और हो भी रहे हैं? ऐसी निंदनीय घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है। हालांकि, रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध बिच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई? दूसरे देश कौन से हैं जिनके नाम लेने की शायद जरूरत नहीं? सभी जानते हैं।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक समानांतर सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, ढ़लती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश करी। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया। दरअसल, इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए, कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है, लेकिन बांग्लादेश में दिखी। रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाईयां को ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है। नए रंग में रिश्तों को रंगने की दरकार इसलिए भी महसूस होने लगी है क्योंकि बांग्लादेश की सत्यानाशी के लिए जिस तरह से चीन-पाकिस्तान मिलकर घेराबंदी कर रहे हैं जिसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को भी है। बांग्ला-हिंदू संबंध जितने बिगड़ेंगे, उतना फायदा ये दोनों मुल्क मिलकर उठाएंगे। पूर्व की कार्यकारी सरकार को इन्होंने कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के सह पर बांगाली और हिंदुओं को खूब लड़ाया गया। लेकिन संपन्न हुए 13वें राष्ट्रीय चुनाव में तीन हिंदू समुदाय के सांसद जीते हैं जिनमें निताई रॉय चैधरी को स्पीकर, चंटगांव से जीते अधिवक्ता दीपेन दीवान को पहाड़ी क्षेत्रों के संरक्षण के लिए मंत्री, तो वहीं गोयेश्वर रॉय चैधरी को महत्पूर्ण रेलमंत्री बनाया गया है।

बांग्लादेश में नवगठित हुकूमत के साथ करीब एक डेढ़-सालों से दंगों का दंश झेल रहे देश में आखिरकार नई सुबह का आगाज हो चुका है। आवाम को इस दिन का लंबे वक्त से इंतजार था। वहां काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनावों में बीएनपी ने बड़े मार्जिन से विजय हासिल की है। कुल संसदीय 298 सीटों में 297 पर चुनाव हुए, उनमें से रिकॉर्ड 209 सीटें बीएनपी ने जीतीं। दूसरे नंबर पर जमात-ए-इस्लामी पार्टी रही जिसने 68 सीटें जीतीं। तारिक रहमान की नई कैबिनेट में डॉ. खलीलुर रहमान को विदेश मंत्री, सलाहुद्दीन अहमद को गृह मंत्री, डॉ. अमीर खसरू महमूद को वित्त एवं प्लानिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुल मिलाकर तारिक रहमान ने शिक्षित और बुद्धिजीवी लोगों से अपनी कैबिनेट को सजाया हैं। कैबिनेट में कुल 50 मंत्री हैं जिनमें 25 कैबिनेट और 24 राज्य मंत्री शामिल हैं।

मेरे लिए एक भाई ला दो...' बेटी की जिद पर पिता ने खरीदा बच्चा, पुलिस ने भेजा जेल, अब कैद में मौत

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। 'मम्मी-पापा मेरे लिए एक भाई ला दो...' बेटी रोज अपने पिता से यही जिद करती थी। उसकी जिद के आगे पिता ने जो किया, वो हैरान करने वाला था। उसने दलालों से एक मासूम बच्चा खरीद लिया। यह बच्चा ट्रेन से चुराया गया था। हालांकि, पुलिस ने पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और बच्चे को बरामद कर लिया। अब खबर है कि पिता की जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ये घटना उत्तर प्रदेश के इटावा की है।

मृतक युवक का नाम अशोक कुमार (42 साल) है, जोकि इटावा जेल में बंद था। अशोक गौतमबुद्ध नगर जिले के दादरी के तुलसी गांव निवासी था। उसे जेल में सीने में तेज दर्द और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत हुई। जेल चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ट्रेन से बच्चा हुआ था चोरी

अशोक कुमार को जीआरपी इटावा ने बीएनएस की धारा 142 (अपहृत व्यक्ति को छुपाने) के आरोप में करीब एक माह पूर्व गिरफ्तार कर जेल भेजा था। एक अधिकारी ने बताया कि यह पूरा मामला दिल्लीहावड़ा रेल मार्ग पर चलने वाली नंदनकानन एक्सप्रेस से जुड़े बच्चा चोरी कांड का हिस्सा है। अलीगढ़ निवासी मुन्नी अंसारी अपने 10 माह के बेटे इब्राहिम के साथ ट्रेन से झारखंड के कोडरमा जा रही थी। यात्रा के दौरान एक युवक ने उसे नशीला पदार्थ मिला लड्डू खिला दिया। महिला के बेहोश होते ही आरोपी ने मासूम को सीट से उठाकर फरार हो गया। होश आने पर जब मुन्नी ने बच्चे को गायब पाया तो ट्रेन में अफरा-तफरी मच गई और सूचना जीआरपी को दी गई।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। जांच में खुलासा हुआ कि अपहृत 10 माह के बच्चे को साढ़े तीन लाख रुपये में एक दंपति को बेच दिया गया था। पूछताछ में सामने आया कि दंपति की एक बेटी थी और वह उसके लिए भाई चाहता था। इसी चाहत में उन्होंने अवैध रूप से बच्चा खरीद लिया। पुलिस ने बच्चे को बेचने वाले युवक और खरीदने वाले दंपति समेत संबंधित आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

पुलिस ने बच्चे को बरामद किया

करीब छह दिन की सघन तलाश के बाद पुलिस ने मासूम इब्राहिम को सकुशल बरामद कर लिया और उसे उसकी मां को सौंप दिया गया। इस बीच, बच्चे को छुपाने में भूमिका निभाने के आरोप में गिरफ्तार अशोक कुमार भी जेल में बंद था। अब उसकी अचानक मौत ने मामले को और संवेदनशील बना दिया है। पुलिस के अनुसार, अशोक की मौत का कारण हार्ट अटैक प्रतीत होता है, हालांकि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है और रिपोर्ट के बाद ही अंतिम कारण स्पष्ट होगा।

राइस मिलों का नियमित निरीक्षण करें

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में धान खरीद की समीक्षा बैठक हुई। जिला खाद्य विपणन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में सभी क्रय संस्थाओं के कुल 160 क्रय केंद्रों पर, निर्धारित धान क्रय लक्ष्य 160000 मीवटन के सापेक्ष अब तक 162082.762 मीवटन धान खरीद 28761 किसानों से हुई है। जनपद में हुई धान खरीद के सापेक्ष 52.24: सीएमआर का संप्रदान राइस मिलों द्वारा एफवसीवआईव में किया गया है। जनपद में सी0एम0आर0 भंडारण हेतु पर्याप्त भंडारण क्षमता उपलब्ध न होने के कारण भारतीय खाद्य निगम में सी0एम0आर0 संप्रदान तथा क्रय केंद्रों से राइस मिलों को धान के प्रेषण की गति धीमी होने के संबंध में अवगत कराया गया, साथ ही मोहाव एवं केराकत के गोदामों को भारतीय खाद्य निगम द्वारा अविलंब सक्रिय कराये जाने का अनुरोध किया गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा मंडलीय प्रबंधक, भारतीय खाद्य निगम, वाराणसी को जनपद में स्थित सभी गोदामों को पूर्ण क्षमता के साथ प्रतिदिन प्रचालित कराये जाने के निर्देश दिये गये, साथ ही आवश्यकतानुसार अन्य गोदामों को चिह्नित कर यथाशीघ्र क्रियाशील कराने के निर्देश भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों को दिये गये। प्रबंधक एस0डब्लू0सी0, किरतापुर को जनपद के सभी डिपो पर प्रतिदिन अधिकाधिक श्रमिकों का प्रबंध कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न का उठान एवं सीएमआर संप्रदान तेज गति से कराने के निर्देश दिये गये।जिलाधिकारी द्वारा जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं समस्त क्षेत्रीय विपणन अधिकारियों व विपणन निरीक्षकों को राइस मिलों का नियमित रूप से निरीक्षण कर सीएमआर का संप्रदान तीव्र गति से कराये जाने के निर्देश दिए गए।

शंकराचार्य पर मुकदमे के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्यों पर यौन शोषण का मुकदमा फर्जी करार देते हुए उसके खिलाफ कांग्रेसियों ने पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के सामने बुधवार को धरना प्रदर्शन कर मुकदमा वापस किए जाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शंकराचार्य हिंदू धर्म के ध्वजवाहक होते हैं, वे साक्षात भगवान शिव के रूप में पूजे जाते हैं, ऐसे में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, मुकुन्दानंद ब्रह्मचारी सहित अन्य बटुकों और संन्यासियों के खिलाफ विद्वेष और बदले की भावना से यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराया जाना हिंदू धर्म और उनकी मान्यताओं का

अपमान है। कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को प्रयाग माघ मेला क्षेत्र में जानबूझकर अपमानित किया गया, उनके शिष्यों को मारा-पीटा गया, ब्राह्मणों की शिखाओ को पकड़ कर घसीटा गया, यह सब कृत्य स्वयं को कथित तौर पर हिंदूवादी घोषित करने वाली सरकार के मुखिया द्वारा कराया जाना सनातन धर्म का खुला अपमान है, हिंदू समाज और देशवासी भाजपा को इसके लिए कभी माफ नहीं करेगा। शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने शंकराचार्य पर दर्ज मुकदमे को वापस लेने एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि भारतीय संविधान में सबको धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है किंतु भाजपा सरकार बदले की भावना से धार्मिक लोगों के खिलाफ संतो को संतो लडाने का काम कर रही है। श्रीमती रेखा सिंह, देवराज पांडेय,राजकुमारी मिश्रा, शेर बहादुर सिंह, सुनीता सरोज, रीना विश्वकर्मा, राकेश यादव,इकबाल हुसैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन का संचालन संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

नशीला पदार्थ खिलाकर साढ़े तीन लाख लूटा

जौनपुर। जहर खुरानी गिरोह ने दवा व्यापारी को नशीला पदार्थ खिलाकर सोने की चेन अंगूठी लूट लिया और झाड़ी में फेंक कर फरार हो गये। बताते है कि षहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भंडारी 61 वर्षीय निवासी शोभा नाथ साहू बुधवार सुबह अपने रिश्तेदारी मिर्जापुर जाने के लिए लाइन बाजार थाना क्षेत्र में स्थिति जेसीज चैराहे पर बस पकड़ने के लिए खड़े थे कि एक व्यक्ति उनसे मिला और बात करते-करते अपना विश्वास जमा लिया। अज्ञात व्यक्ति द्वारा खुद को मिर्जापुर जाने की बात बताकर कार में बैठा लिया। कार जब मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र श्री गांव के पास से गुजर रही थी उसी समय इन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर अचेत कर 20 ग्राम सोने की चेन तथा 4 ग्राम तक सोने की तीन अंगूठियां उतार लिया और जेब में रखे ₹12000 भी लूट लिया। इसके बाद उन्हें ग्राम पंचायत श्री गांव के पास झाड़ियों फेंक कर अपनी कार लेकर फरार हो गये। कुछ देर बाद गांव के कुछ बच्चे खेलते हुए पहुंचे तो देख कर शोर मचाया।

मुजफ्फरनगर दंगा : कुटबा में आठ लोगों की हत्या में आया कोर्ट का फैसला, सबूतों के अभाव में 37 आरोपी दोषमुक्त

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर दंगे के दौरान शाहपुर थाना क्षेत्र के कुटबा गांव में 13 साल पहले महिला समेत आठ लोगों की हत्या, आगजनी और जानलेवा हमले के मामले में 37 आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया गया। आठ आरोपियों की ट्रायल के दौरान मौत हो गई थी। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, विशेष पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-प्रथम की पीठासीन अधिकारी मंजुला भालोटिया ने फैसला सुनाया।

शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव कुटबा गांव में आठ सितंबर 2013 को वारदात हुई थी। वादी इमरान ने मुकदमा दर्ज कराया था कि सुबह लगभग नौ बजे नारे लगाते हुए 110 से अधिक हमलावरों ने हाथों में राइफलें, बन्दूकें, तमंचे, तलवारें, तबल, बलकटी, बल्लम, भाले आदि धारदार हथियार लेकर मुस्लिम समाज के घरों में हमला बोल दिया।

लोगों के घरों में आग लगाकर लूटपाट की गई। आठ लोगों की हत्या कर दी गई।

हमलावरों ने मस्जिद में तोड़फोड़, घरों में आगजनी, मोटर साइकिलों में आग, दुकानों में आग, जेनरेटर में आग लगा दी। एसआईटी ने विवेचना के बाद 45 लोगों को आरोपी बनाते हुए चार्जशीट दाखिल की गई थी। अलग-अलग मुकदमों की एक साथ सुनवाई हुई।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता अजय सहरावत ने बताया कि मुकदमे की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कोर्ट संख्या प्रथम) में हुई। साक्ष्य के अभाव में 37 आरोपियों को दोष मुक्त कर दिया गया। अभियोजन की ओर से 30 से अधिक गवाह पेश किए गए।

कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में इन लोगों को किया दोषमुक्त

कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में कुंवरपाल, योगेंद्र उर्फ जोगेंद्र, मनोज, गुल्लू, सोनू, भालू, नीरज, लव कुमार, शौकी, बुरेश, प्रदीप, कालू, पप्पू, नीटू, पप्पू, नीटू पुत्र ब्रह्मपाल, गुड्डू, नरेन्द्र, जितेन्द्र, भीम, राम सिंह, देस्सा, छोटू, जूली, दीपक, कल्लू उर्फ मदन, सोमपाल, नरेन्द्र, खजान, विकास, टुल्ली उर्फ कल्लू, धीरज, पिंटू उर्फ बिंदू, मनोज, राहुल, बिजेन्द्र को दोषमुक्त किया गया।

इन लोगों की कर दी गई थी हत्या

आठ सितंबर 2013 को हुए दंगे में गांव कुटबा में आठ लोगों की हत्या हुई थी। जिनमें वहीद, शमशाद, इरशाद, तराबू, कय्यूम, फैयाज, खातून, मोमीन शामिल हैं।

इन आरोपियों की हो चुकी है मौत

मुकदमे की सुनवाई के दौरान आठ आरोपियों की मृत्यु हो गई। इनमें सोनू, चिंटू उर्फ पिंटू, धन्ना, रामदास, चतरा, दीपक, काला, देवेन्द्र शामिल हैं।

'पापा की हत्या नहीं करना चाहती थीं मां-बहन...' बरेली में बालकराम मर्डर केस का खुलासा, क्या बोला बेटा?

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के इज्जतनगर में बेलदार बालकराम हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि बालकराम की हत्या उसकी पत्नी रेखा और बेटी पिंकी ने ही की थी। पुलिस ने दोनों आरोपी मां-बेटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में मृतक की पत्नी रेखा ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि उसका पति बालकराम रोज शराब पीकर घर आता था और उसके साथ-साथ बच्चों को भी पीटता था। परिवार काफी समय से इस वजह से परेशान था। घटना वाले दिन रविवार को बालकराम किसी दावत में गया था। वहां भी उसने शराब पी और झगड़ा किया। घर लौटने के बाद वह छत पर बैठकर पत्नी और बेटी को गाली देने लगा और मारपीट शुरू कर दी।

पत्नी ने पुलिस को बताया कि उसी दौरान गुस्से में उसने और बेटी ने मिलकर डंडा और पटली उठा ली और बालकराम को पीटना शुरू कर दिया। मारपीट के दौरान सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। मौत होते ही मां-बेटी घबरा गईं और उन्होंने किसी को सूचना नहीं दी। घर में ही शव पड़ा रहा और खून सूख गया था, जिससे अंदाजा लगा कि मौत काफी पहले हो चुकी थी। बाद में पड़ोसी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

बेटे को पुलिस ने माना

बेकसूर

घटना के समय घर में पत्नी, बेटी और बेटा मौजूद बताए गए थे, इसलिए पुलिस ने शक के आधार पर पत्नी और बेटे दोनों को हिरासत में लिया था। लेकिन पूछताछ में बेटे अजय की भूमिका सामने नहीं आई। पुलिस ने उसे बेकसूर मानते हुए छोड़ दिया। सीओ पंकज श्रीवास्तव के अनुसार अजय घटना के समय घर पर नहीं था और बाद में पिता की मौत की खबर सुनकर आया था। बेटे अजय ने बताया कि उसकी मां और बहन ने जानबूझकर हत्या नहीं की। मारपीट के दौरान गलती से मौत हो गई। उसने कहा कि पुलिस उसे भी थाने ले गई थी, लेकिन पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। अजय के मुताबिक उसका पिता बहुत शराब पीता था और घर में अक्सर मारपीट करता था, जिससे परिवार में तनाव रहता था। वहीं मृतक के भतीजे ने, जिसने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई, बताया कि उसने रिश्तेदारों के कहने पर ही पुलिस में शिकायत की थी। उसका कहना है कि परिवार वालों ने सलाह दी तो उसने केस दर्ज करा दिया। पुलिस का कहना है कि शव रविवार रात घर में खून से लथपथ हालत में मिला था। सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। पूछताछ और सबूतों के आधार पर सच्चाई सामने आ गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी पत्नी और बेटी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

18 वर्ष वाले युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज करायें

जौनपुर। स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत स्काउट्स गाइड्स/रोवर्स रेंजर्स के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। स्टेशन रोड स्थित राज कालेज के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में स्काउट्स गाइड्स/रोवर्स रेंजर्स को मतदाता बनने के लिए जागरूक किया करते हुए उन्हें जिम्मेदारी दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं और जिनका नाम मतदाता सूची में छूट गया है उन सभी को मतदाता बनने के लिए जागरूक करें। विश्व विद्यालय रोवर्स रेंजर्स चीफ कमिश्नर/प्राचार्य राजा श्री कृष्ण दत्त महाविद्यालय प्रो. शम्भू राम ने रोवर रेंजर्स को प्रेरित करते हुए कहा कि 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता सूची में अपना नाम जरुर दर्ज करायें, और गांव-गांव में मतदाता जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करें। ग्राम पंचायतों से लेकर नगरीय क्षेत्रों तक अभियान चला कर पात्र लोगों को मतदाता बनने हेतु जागरूक व प्रेरित करें।

बरेली में थाने के सामने डिलीवरी बॉय ने खुद को लगाई आग, पुलिस के किस रवैये से था परेशान?

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में देर रात एक डिलीवरी बॉय ने थाना बारादरी गेट पर खुद को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आग बुझाकर युवक को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

घायल युवक की पहचान अक्षय कश्यप (32) के रूप में हुई है। वह फतेहगंज पश्चिमी नगर पंचायत का रहने वाला है और शहर में कोतवाली के पीछे किराए के मकान में रहकर डिलीवरी का काम करता है। थाने के गेट पर खुद को लगाई आग

दरअसल पूरी घटना बरेली के थाना बारादरी के मुख्य गेट पर हुई। पुलिस के अनुसार घटना देर रात की है। युवक ने गेट के सामने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

जैसे ही गेट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे आग की लपटों में घिरा देखा, अफरा-तफरी मच गई। तुरंत पानी और कपड़ों से आग बुझाई गई और उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल बरेली ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक उसके पेट, पीठ, चेहरा और हाथ बुरी तरह झुलस गए हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

वहीं पीड़ित अक्षय का आरोप है कि उसकी बाइक कई दिनों से थाने में खड़ी है। वह बाइक लेने के लिए कई बार थाने के चक्कर लगा चुका था, लेकिन उसे बाइक नहीं मिली। बाइक न मिलने से उसका काम पूरी तरह बंद हो गया था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गया और आखिरकार उसने यह कदम उठा लिया।

कैसे पकड़ी गई थी बाइक?

जानकारी के मुताबिक सोमवार रात करीब 8 बजे अक्षय गंगापुर इलाके में डिलीवरी देने गया था। उसने अपनी बाइक एक दुकान के बाहर चाबी लगी हालत में खड़ी कर दी थी। इसी दौरान संजय नगर निवासी विकास सागर बाइक लेकर भागने लगा। भागते समय बाइक से आकाश नाम के युवक को टक्कर लग गई, जिससे वह घायल हो गया।

सूचना मिलने पर बारादरी पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक को कब्जे में लेकर थाने ले आई। तभी से बाइक थाने में खड़ी थी, जिसे लेकर अक्षय परेशान चल रहा था। आरोप है कि वह कई बार थाने बाइक लेने गया, लेकिन पुलिस ने बाइक नहीं दी और उससे लगातार थाने के चक्कर लगवाए जा रहे थे। थाना बारादरी के इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि बाइक थाने में मौजूद है। युवक को पहले ही बता दिया गया था कि अगर एक्सीडेंट के मामले में कोई शिकायत नहीं आती है तो एक-दो दिन में बाइक मिल जाएगी। लेकिन यदि शिकायत दर्ज होती है, तो उसे कोर्ट की प्रक्रिया के जरिए ही छुड़वाना पड़ेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घायल युवक का अस्पताल में इलाज जारी है।

मंगों को लेकर मजदूर संघ ने प्रदर्शन किया

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को भारतीय मजदूर संघ ने प्रदर्षन कर जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया को संबोधित था, जिसमें श्रमिकों की आठ सूत्रीय मांगों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है।संघ के जिलामंत्री प्रदीप सिंह ने बताया कि ये मांगें 21वें अखिल भारतीय त्रिवार्षिक अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर आधारित हैं। संघ ने सभी क्षेत्रों में श्रम कानूनों को बिना किसी छूट के लागू करने पर जोर दिया है। इसके अतिरिक्त, इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड 2020 में व्याप्त श्रमिक समस्याओं के समाधान की भी मांग की गई है। ज्ञापन में त्रिपक्षीय तंत्र के पुनर्गठन और इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस को शीघ्र बुलाने की मांग भी शामिल है।भारतीय मजदूर संघ ने ईपीएस-95 के तहत न्यूनतम पेंशन को 1000 रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये प्रतिमाह करने की मांग की है। साथ ही, ईपीएफ और ईएसआईसी की वेतन सीमा बढ़ाने तथा बोनस भुगतान अधिनियम 1965 के अंतर्गत पात्रता सीमा में संशोधन की भी मांग उठाई गई है।अन्य प्रमुख मांगों में स्कीम वर्करों और ठेका श्रमिकों को स्थायी करना शामिल है। इसके अलावा, सामान्य भर्तियों पर लगी रोक हटाने की भी मांग की गई है, ताकि रोजगार के अवसर बढ़ सकें। भारतीय मजदूर संघ ने केंद्र सरकार से श्रमिक हितों में इन मांगों पर त्वरित और सकारात्मक कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई है।

धोती में दूल्हा, बनारसी साड़ी में दुल्हनिया मैक्सिकन कपल ने काशी में हिंदू रीति रिवाज से की शादी, नौका पर बैठकर पूरी कीं रस्में

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। आध्यात्मिक नगरी वाराणसी एक बार फिर अपनी सनातन परंपरा और वैश्विक आकर्षण के कारण सुर्खियों में रही। विश्वप्रसिद्ध अस्सी घाट पर मैक्सिको से आए एक विदेशी कपल ने गंगा की मध्य धारा में नौका पर वैदिक विधि-विधान से विवाह कर अनूठी मिसाल पेश की। इस खास आयोजन को देखने के लिए घाट पर स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ी।

जानकारी के अनुसार, मैक्सिको के चिल सिटी निवासी रुईज कन्ट्रोल और गोंजलो मिगुल लंबे समय से भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं से प्रभावित थे। उन्होंने अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत भारत की आध्यात्मिक राजधानी वाराणसी से करने का निर्णय लिया।

निर्धारित मुहूर्त में गंगा के बीच सजी नौका पर मंडप सजाया गया, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न हुआ।

दूल्हे ने पहनी धोती, दुल्हन ने बनारसी साड़ी

विवाह संस्कार आचार्य दीपक पाण्डेय द्वारा संपन्न कराया गया। हवन, सप्तपदी और वर-वधू के संकल्प के साथ पूरे वैदिक विधान का पालन किया गया। मंत्रों की गूंज, धूप-दीप की सुगंध और गंगा की शांत धारा ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। दूल्हा-दुल्हन पारंपरिक भारतीय परिधान में सुसज्जित नजर आए। दूल्हे ने धोती-कुर्ता और दुल्हन ने लाल बनारसी साड़ी धारण की, जिससे समारोह की सांस्कृतिक गरिमा और बढ़ गई।

वहां मौजूद लोगों ने कैमरे में कैद की तस्वीरें

विवाह के दौरान घाट पर मौजूद लोगों ने पुष्पवर्षा कर नवदम्पति को आशीर्वाद दिया। कई पर्यटकों ने इस अद्भुत पल को अपने कैमरों में कैद किया। उपस्थित लोगों ने इसे 'संस्कृतियों का संगम' बताते हुए कहा कि यह आयोजन भारतीय परंपराओं की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है।

कई विदेशियों की पसंद है भारतीय संस्कृति

वाराणसी में विदेशी पर्यटकों द्वारा भारतीय रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह करने की परंपरा धीरे-धीरे बढ़ रही है। इससे न केवल स्थानीय पुरोहितों और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को रोजगार मिल रहा है, बल्कि काशी की सांस्कृतिक पहचान भी विश्व स्तर पर और मजबूत हो रही है। गंगा की गोद में वैदिक रीति से संपन्न यह विवाह एक बार फिर साबित करता है कि वाराणसी केवल एक शहर नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिकता का जीवंत केंद्र है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

पूरी नींद के बावजूद सुबह उठते ही रहती है थकान? नजरअंदाज न करें, हो सकता है हाई ब्लड शुगर का संकेत

अक्सर हम इसे काम का तनाव या भागदौड़ मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह हाई ब्लड शुगर का एक बड़ा संकेत हो सकता है। जब शरीर में इंसुलिन का संतुलन बिगड़ता है, तो ग्लूकोज सेल्स तक पहुंचने के बजाय ब्लड में ही जमा होने लगता है।

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि आप रात भर 7-8 घंटे की पूरी नींद लेते हैं, लेकिन सुबह उठते ही फिर से थकान महसूस होने लगती है? दिन भर ऐसा लगता है जैसे शरीर में एनर्जी बची ही नहीं है।

अक्सर हम इसे काम का तनाव या भागदौड़ मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह हाई ब्लड शुगर का एक बड़ा संकेत हो सकता है। जब शरीर में इंसुलिन का संतुलन बिगड़ता है, तो ग्लूकोज सेल्स तक पहुंचने के बजाय ब्लड में ही जमा होने लगता है। इसके कारण सेल्स को एनर्जी नहीं मिलती और थकान महसूस होती है।

हाई ब्लड शुगर और थकान का कनेक्शन

हाइपरग्लाइसीमिया यानी हाई ब्लड शुगर सीधे तौर पर आपकी एनर्जी के लेवल को प्रभावित करता है।

सेल्स को एनर्जी न मिलना- ग्लूकोज शरीर को एनर्जी देता है। इंसुलिन की कमी या रेजिस्टेंस के कारण जब यह ग्लूकोज सेल्स में नहीं जा पाता, तो शरीर थका हुआ महसूस करता है।

डिहाइड्रेशन- जब शुगर लेवल बढ़ता है, तो किडनी एक्स्ट्रा शुगर को बाहर निकालने के लिए ज्यादा पेशाब बनाती है। शरीर से फ्लूएड कम होने पर डिहाइड्रेशन होता है, जो थकान का कारण बनता है।

इन लक्षणों को बिल्कुल न करें नजरअंदाज

अगर थकान के साथ-साथ आपको नीचे दिए गए लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो डॉक्टर से मिलना जरूरी है-

बार-बार प्यास लगना और पेशाब आना- सामान्य से ज्यादा प्यास लगना या बार-बार बाथरूम जाना हाई शुगर का सबसे क्लासिक लक्षण है।

धुंधली दृष्टि- हाई शुगर आंखों के लेंस के आकार को प्रभावित कर सकती है, जिससे चीजें साफ दिखाई नहीं देतीं।

घाव भरने में समय लगना- अगर कोई छोटी-सी चोट या खरोंच ठीक होने में हफ्तों ले रही है, तो यह शुगर लेवल बढ़ने का संकेत है।

अचानक वजन कम होना- बिना किसी डाइट या एक्सरसाइज के अगर वजन तेजी से कम हो रहा है, तो शरीर अपनी एनर्जी के लिए मांसपेशियों और फैट को जलाने लगता है।

हाथों-पैरों में झुनझुनी- नसों पर शुगर के कारण पैरों में सूनापन या चींटी चलने जैसा अहसास होना।

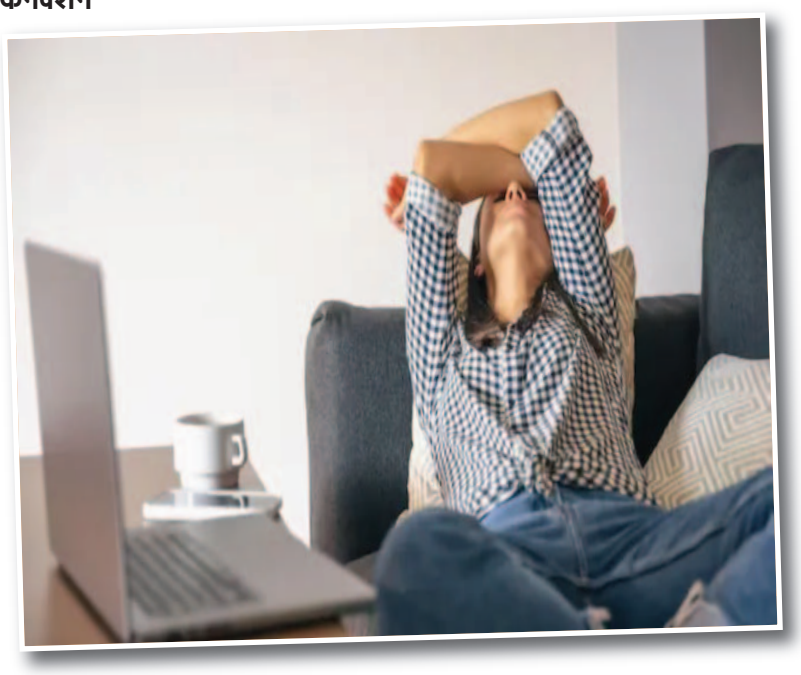

क्या करें जब महसूस हो लगातार थकान?

ब्लड शुगर टेस्ट करवाएं- घर पर ग्लूकोमीटर से या लैब में जाकर HbA1C और फास्टिंग शुगर की जांच करवाएं।

हाइड्रेटेड रहें- दिन भर खूब पानी पिएं, ताकि शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकल सकें।

एक्टिव रहें- हर 45 मिनट के काम के बाद 5 मिनट का वॉक ब्रेक लें। हल्की फिजिकल एक्टिविटी इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारती है।

खान-पान में बदलाव- अपनी डाइट से मैदा, चीनी और मीठी चीजों को तुरंत हटा दें। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर खाना खाएं।

जरूरी नहीं कि सीने में दर्द ही हो! हार्ट अटैक के इन 5 लक्षणों को गैस या थकान समझने की भूल न करें

हार्ट अटैक का नाम सुनते ही दिमाग में सबसे पहली तस्वीर एक ऐसे व्यक्ति की आती है जो अचानक अपने सीने को पकड़कर जमीन पर गिर पड़ता है। फिल्मों और विज्ञापनों में हार्ट अटैक के इसी क्लासिक लक्षण को बार-बार दिखाया जाता है, लेकिन असल में इसके लक्षण इतने साफ नहीं होते।

हार्ट अटैक के कई मरीजों में सीने में दर्द होता ही नहीं है, बल्कि दूसरे लक्षण दिखाई देते हैं। समय पर इन लक्षणों को पहचानना जान बचाने के लिए बेहद जरूरी हैं। आइए जानें हार्ट अटैक के लक्षण, जिन्हें अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

सांस लेने में तकलीफ

अगर आपको बिना किसी भारी काम के या आराम करते समय भी सांस फूलने की समस्या हो रही है, तो यह दिल की बीमारी का संकेत हो सकता है। जब दिल शरीर के बाकी हिस्सों में ब्लड पंप नहीं कर पाता, तो फेफड़ों पर दबाव बढ़ता है, जिससे सांस लेने में परेशानी होती है।

शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द और बेचैनी

हार्ट अटैक का दर्द केवल सीने तक सीमित नहीं रहता। यह दर्द अक्सर कंधों, गर्दन, जबड़े, पीठ या हाथों में महसूस हो सकता है। कई बार लोग जबड़े के दर्द को दांत का दर्द समझ लेते हैं, जबकि वह हार्ट अटैक का संकेत होता है।

ज्यादा थकान और कमजोरी

अगर आप पिछले कुछ दिनों से बिना किसी कारण के बहुत ज्यादा थकान महसूस कर रहे हैं, तो सावधान हो जाएं। खासकर महिलाओं में, हार्ट अटैक से पहले हफ्तों तक बहुत ज्यादा कमजोरी महसूस हो सकती है। यह थकान इतनी ज्यादा होती है कि रोजमर्रा के छोटे काम करना भी दूभर हो जाता है।

ठंडा पसीना आना और चक्कर

बिना गर्मी या किसी मेहनत के अचानक ठंडा पसीना आना एक गंभीर चेतावनी है। अगर इसके साथ आपको चक्कर आ रहे हैं या ऐसा लग रहा है कि आप बेहोश होने वाले हैं, तो यह दिल तक ब्लड सर्कुलेशन में कमी का संकेत हो सकता है।

पेट में गड़बड़ी और जी मचलना

हार्ट अटैक के लक्षणों को अक्सर एसिडिटी या अपच समझ लिया जाता है। पेट के ऊपरी हिस्से में दबाव महसूस होना, जी मिचलाना या उल्टी होना भी इसके संकेत हो सकते हैं। अगर आपको बार-बार ऐसी समस्या हो रही है जो एंटासिड लेने से ठीक नहीं हो रही, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

क्या करें अगर ये लक्षण महसूस हों?

तुरंत मदद मांगें- खुद गाड़ी चलाकर अस्पताल जाने की कोशिश न करें। एम्बुलेंस बुलाएं या किसी की मदद लें।

शांत रहें- घबराहट दिल पर दबाव बढ़ा सकती है। लंबी और गहरी सांसें लेने की कोशिश करें।

क्रेविंग भी मिटेगी और वजन भी नहीं बढ़ेगा: देखें फ्रेंच फ्राइज के 6 'गिल्ट-फ्री' रिप्लेसमेंट

फ्रेंच फ्राइज का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाना बहुत आम बात है। फिल्म देखते हुए या दोस्तों के साथ गपशप करते हुए, गरमागरम और क्रिस्पी फ्राइज खाना हम सभी को पसंद है, लेकिन इन्हें खाने के बाद जो 'गिल्ट' होता है और वजन बढ़ने का डर सताता है, वह सारा मजा किरकिरा कर देता है।

ऐसे में, क्या हो अगर हम आपसे कहें कि आप अपनी क्रेविंग भी पूरी कर सकते हैं और आपको अपने वजन की चिंता भी नहीं करनी पड़ेगी? जी हां, डीप-फ्राइड आलू के फ्राइज को छोड़िए और अपनी डाइट में शामिल कीजिए ये 6 'गिल्ट-फ्री' रिप्लेसमेंट, जो स्वाद में लाजवाब होने के साथ सेहत के लिए भी बेहतरीन हैं।

आलू की जगह शकरकंद का इस्तेमाल करना सबसे पॉपुलर और टेस्टी ऑप्शन है। शकरकंद में फाइबर और विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं। इन्हें लंबा-लंबा काटें, थोड़ा-सा ऑलिव ऑयल, नमक और पैपरिका छिड़कें और ओवन या एयर फ्रायर में बेक कर लें। बाहर से क्रिस्पी और अंदर से हल्के मीठे ये फ्राइज आपको आलू वाले फ्राइज की याद भी नहीं आने देंगे।

क्रिस्पी कैरेट फ्राइज

गाजर सिर्फ सलाद या हलवे के लिए नहीं है। गाजर को पतले टुकड़ों में काटकर, हल्का-सा तेल और अपनी पसंद के मसाले (जैसे काली मिर्च और लहसुन का पाउडर) मिलाकर बेक करें। गाजर की नेचुरल मिठास और मसालों का तीखापन मिलकर एक ऐसा स्वाद देते हैं, जो आपकी शाम की भूख को मिनटों में शांत कर देगा।

क्रिस्पी बीन्स फ्राइज

अगर आपको कुछ एक्स्ट्रा क्रिंची खाने का मन है, तो हरी बीन्स बेहतरीन हैं। इनमें कैलोरी भी बहुत कम होती है। बस बीन्स पर हल्का-सा तेल और नमक लगाकर इन्हें तब तक रोस्ट करें, जब तक ये कुरकुरी न हो जाएं। किसी भी हेल्दी डिप के साथ इनका स्वाद दोगुना हो जाता है।

जुकिनी फ्राइज

जुकिनी वजन कम करने वालों के लिए बेस्ट ऑप्शन है। इसके लंबे टुकड़े काटें और उन्हें थोड़े से ओट्स पाउडर या ब्रेडक्रंब्स और चीज में लपेटकर बेक करें। ये बाहर से बहुत क्रंची और अंदर से एकदम सॉफ्ट बनते हैं।

शलजम के फ्राइज

यह पढ़कर शायद आपको हैरानी हो, लेकिन बेक होने के बाद शलजम का टेक्सचर बिल्कुल आलू जैसा ही लगता है। सबसे बड़ी बात यह है कि शलजम में आलू के मुकाबले कार्बोहाइड्रेट बहुत कम होता है। इसे अपनी मनपसंद हर्ब्स के साथ बेक करें और बिना किसी डर के मजे से खाएं।

एप्पल फ्राइज

अगर आपको कुछ मीठा और क्रिस्पी खाने की क्रेविंग हो रही है, तो एप्पल के फ्राइज आजमाएं। इसके लिए सेब को फ्राइज के आकार में काटें, उन पर थोड़ा-सा दालचीनी पाउडर छिड़कें और बेक कर लें। यह एक बेहतरीन और सुपर-हेल्दी स्नैक है जो बच्चों से लेकर बड़ों तक सबको पसंद आएगा।

इन सभी ऑप्शन्स को डीप फ्राई करने के बजाय हमेशा 'बेक' करें या 'एयर फ्रायर' का इस्तेमाल करें। इससे तेल का इस्तेमाल कम होगा और आपका स्नैक 100% हेल्दी बनेगा।

हैंडबैग का इस तरह से रखें ध्यान, लंबे समय तक रहेंगे सही

हैंडबैग न केवल हमारे सामान को समेटने का काम करता है, बल्कि हमारे लुक को भी पूरा करता है। हालांकि, अक्सर हम इसे इस्तेमाल करने के बाद यूं ही कहीं रख देते हैं और इसका सही तरीके से ख्याल नहीं रखते। इससे इसकी चमक और गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान उपाय बताते हैं, जिनकी मदद से आप अपने हैंडबैग को लंबे समय तक सही रख सकते हैं।

हैंडबैग को साफ रखें

हैंडबैग को साफ रखना बहुत जरूरी है। अगर आपके हैंडबैग पर कोई दाग या गंदगी लग गई है तो उसे तुरंत साफ करें। इसके लिए आप हल्के साबुन और पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ध्यान रखें कि ज्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे बैग का आकार बिगड़ सकता है। अगर आपका हैंडबैग चमड़े का है तो उसे साफ करने के लिए खास चमड़े का सफाई करने वाला पदार्थ इस्तेमाल करें।

सही तरीके से रखें

हैंडबैग को सही तरीके से रखना भी जरूरी है। अगर आप अपने हैंडबैग को लंबे समय तक सही रखना चाहते हैं तो उसे सही जगह पर रखें। इसे किसी ठंडी और सूखी जगह पर रखें ताकि नमी और धूल से बचा जा सके। अगर आपके पास हैंडबैग के लिए खास डिब्बा हो तो उसमें रखें। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी और ये लंबे समय तक सही रहेगा।

भारी सामान न रखें

हैंडबैग में भारी सामान रखने से इसका आकार बिगड़ सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए हमेशा अपने हैंडबैग में हल्का और जरूरी सामान ही रखें। भारी किताबें या लैपटॉप जैसे भारी सामान को अलग बैग में रखें ताकि आपके हैंडबैग का आकार बना रहे और यह लंबे समय तक सही रहे। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी और यह लंबे समय तक सही रहेगा।

धूप से बचाएं

धूप में लंबे समय तक रखने से आपके हैंडबैग की चमक फीकी पड़ सकती है इसलिए इसे धूप से बचाकर रखें। जब भी आपका बैग न पहनने वाला हो तो उसे किसी बंद दराज या डिब्बे में रखें ताकि धूल-मिट्टी और धूप से बचा रहे। अगर आप अपने बैग को लंबे समय तक सही रखना चाहते हैं तो उसे सही जगह पर रखें और समय-समय पर साफ करते रहें। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी।

नियमित रूप से जांचें

अपने बैग की नियमित रूप से जांच करना जरूरी है ताकि किसी भी तरह की समस्या समय रहते हल हो सके। समय-समय पर बैग की सिलाई, हैंडल और जिपर्स आदि की जांच करते रहें ताकि कोई टूट-फूट न हो। अगर कहीं सिलाई ढीली हो रही हो तो उसे तुरंत ठीक कर लें। इसके अलावा बैग को समय-समय पर साफ करते रहें ताकि उसकी चमक और गुणवत्ता बनी रहे।

बिना केवाईसी बन सकते हैं करोड़पति? म्यूचुअल फंड को लेकर दूर करें सारी गलतफहमी

अभी के नियमों के मुताबिक, जिस इन्वेस्टर ने केवाईसी पूरा नहीं किया है, उसे सभी म्यूचुअल फंड में मिलाकर हर फाइनेंशियल ईयर में 50,000 रुपये तक निवेश करने की इजाज़त हो सकती है। यह हर फंड या हर AMC के लिए नहीं है। यह एक टोटल लिमिट है। इस तरीके से भी, आपको अपनी बेसिक पहचान की जानकारी जैसे अपना पैन या कोई वैलिड दूसरा डॉक्यूमेंट जमा करना होगा।

अगर आप पहली बार म्यूचुअल फंड में निवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, तो केवाईसी आमतौर पर पहला स्टेप होता है। आप फॉर्म भरते हैं, डॉक्यूमेंट अपलोड करते हैं, वीडियो वेरिफिकेशन करते हैं, और उसके बाद ही आपको निवेश करने की इजाजत मिलती है। कई लोगों को यह एक मुश्किल काम लग सकता है, खासकर अपना पहला इन्वेस्टमेंट करने के उत्साह में। तो क्या केवाईसी पूरा किए बिना म्यूचुअल फंड में निवेश करने का कोई तरीका है? जवाब ज्यादातर नहीं में ही मिलेंगे। भारत में, म्यूचुअल फंड इन्वेस्टिंग के लिए केवाईसी ऑप्शनल नहीं है। लेकिन कुछ सीमित हालात ऐसे होते हैं, जहां आपको पूरी केवाईसी पूरी किए बिना थोड़ी रकम निवेश करने की इजाजत मिल सकती है, इसीलिए काफी कन्फ्यूजन होता है।

केवाईसी क्यों जरूरी है?

भारत में म्यूचुअल फंड को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया रेगुलेट करता है। एंटी मनी लॉन्ड्रिंग नियमों और इन्वेस्टर आइडेंटिफिकेशन नॉर्म्स के तहत, हर म्यूचुअल फंड इन्वेस्टर को केवाईसी पूरा करना होता है। यह तब भी लागू होता है जब आप सीधे AMC के साथ इन्वेस्ट करते हैं या किसी ऐप, डिस्ट्रीब्यूटर या बैंक के जरिए। केवाईसी आपके पैन से जुड़ा होता है और आपकी पहचान, पता और टैक्स स्टेटस कन्फर्म करता है। इसके बिना, फंड हाउस को एक बहुत ही सीमित लिमिट से ज्यादा इन्वेस्टमेंट लेने की इजाजत नहीं है।

50,000 रुपए की छूट का नियम

अभी के नियमों के मुताबिक, जिस इन्वेस्टर ने केवाईसी पूरा नहीं किया है, उसे सभी म्यूचुअल फंड में मिलाकर हर फाइनेंशियल ईयर में 50,000 रुपये तक निवेश करने की इजाज़त हो सकती है। यह हर फंड या हर AMC के लिए नहीं है। यह एक टोटल लिमिट है। इस तरीके से भी, आपको अपनी बेसिक पहचान की जानकारी जैसे अपना पैन या कोई वैलिड दूसरा डॉक्यूमेंट जमा करना होगा। इसे कभी-कभी पैन छूट वाला निवेश कहा जाता है, लेकिन इसका मतलब गुमनाम इन्वेस्टिंग नहीं है। यह सिर्फ पूरी केवाईसी से छूट है, पहचान से छूट नहीं।

साथ ही, कई प्लेटफॉर्म और फंड हाउस अब यह ऑप्शन भी नहीं देते क्योंकि यह ऑपरेशनली मुश्किल है। असल में, ज्यादातर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म आपको एक रुपया भी निवेश करने की इजाजत देने से पहले केवाईसी पर जोर देंगे। अगर आप केवाईसी पूरा किए बिना निवेश करते हैं तो क्या होगा?

अगर आप लिमिटेड छूट के तहत निवेश करने में कामयाब हो जाते हैं और बाद में केवाईसी पूरा किए बिना 50,000 रुपए की लिमिट पार कर जाते हैं, तो आपके ट्रांजैक्शन ब्लॉक हो जाएंगे। केवाईसीपूरा होने तक आप और इन्वेस्टमेंट नहीं कर पाएंगे, SIP शुरू नहीं कर पाएंगे, या कुछ मामलों में रिडीम भी नहीं कर पाएंगे। डिविडेंड या रिडेम्पशन की रकम भी रुक सकती है, जो अगर आपको तुरंत पैसे की जरूरत हो तो टेंशन वाली बात हो सकती है।

क्या केवाईसी से बचने की कोशिश करना सही है?

ज्यादातर इन्वेस्टर्स के लिए, केवाईसी के बिना निवेश करने की कोशिश करना झंझट का काम नहीं है। आज केवाईसी एक बार का प्रोसेस है। एक बार पूरा होने के बाद, यह सभी म्यूचुअल फंड, प्लेटफॉर्म और AMC पर काम करता है। ऑनलाइन केवाईसी, जिसमें वीडियो वेरिफिकेशन भी शामिल है, में आमतौर पर दस मिनट से भी कम समय लगता है। केवाईसी से बचने से आपकी इन्वेस्टमेंट की रकम सीमित हो जाती है, आपके ऑप्शन सीमित हो जाते हैं, और भविष्य में जब आप और पैसे जोड़ना चाहते हैं या आसानी से निकालना चाहते हैं तो दिक्कतें पैदा होती हैं।

मिथक है बिना केवाईसी निवेश

भारत में, केवाईसी के बिना म्यूचुअल फंड इन्वेस्ट करना काफी हद तक एक मिथक है। कम वैल्यू वाले इन्वेस्टमेंट के लिए एक छोटी और कम होती छूट के अलावा, केवाईसी जरूरी है। अगर आप इन्वेस्ट करने को लेकर सीरियस हैं, तो शुरू में केवाईसी पूरा करना शुरू करने और बिना किसी रुकावट के इन्वेस्टेड रहने का सबसे आसान और साफ तरीका है।

आईडीएफसी बैंक घोटाले के बाद सरकार हुई सख्त, प्राइवेट बैंकों को लग सकता है झटका, सरकारी बैंकों की मौज!

नई दिल्ली, एजेंसी। चंडीगढ़ में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की शाखा में हरियाणा सरकार के खातों में 590 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। इस घटना के सामने आने के बाद सरकार का रुख काफी सख्त हो गया है। हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को अपने सरकारी कामकाज की सूची से बाहर कर दिया है। इस बड़े फैसले के बाद बैंकिंग उद्योग में सरकारी खातों के प्रबंधन को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। नियमों के उल्लंघन और समय पर ऑडिट रिपोर्ट न देने वाले छोटे बैंकों पर अब सरकार की पैनी नजर है।

प्राइवेट बैंकों को झटका, सरकारी बैंकों की बल्ले-बल्ले

इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा फायदा बड़े सरकारी बैंकों को मिलने वाला है। प्राइवेट सेक्टर के बैंकों से कम लागत वाली जमा राशि यानी कासा (CASA) के बाहर जाने की प्रबल संभावना है। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) और पंजाब नेशनल बैंक (PNB) जैसे संस्थान, जिनकी सरकारी बैंकिंग में मजबूत पकड़ है, इस संभावित बदलाव के प्रमुख लाभार्थी होंगे। मैक्वेरी कैपिटल के वित्तीय सेवा अनुसंधान प्रमुख सुरेश गणपति के मुताबिक, निजी क्षेत्र के बैंकों में सरकारी जमा की अब कड़ी जांच होगी। मध्यम अवधि में कुछ बैलेंस सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में स्थानांतरित हो सकता है। कोविड महामारी के बाद से बैंकिंग सिस्टम में कासा अनुपात पहले ही उच्चतम स्तर से 500-600 बेसिस पॉइंट नीचे गिर चुका है।

कमीशन आय पर सीधा असर

निजी क्षेत्र के बैंक पहले से ही जमा राशि जुटाने में धीमी गति का सामना कर रहे हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की कुल जमा राशि में राज्य और केंद्र सरकार की हिस्सेदारी लगभग 8 से 10 प्रतिशत है। अगर सरकारी खातों का पैसा निजी बैंकों के खातों से भारी मात्रा में बाहर निकलता है, तो इन बैंकों पर वित्तीय दबाव काफी हद तक बढ़ जाएगा। आईआईएफएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिकीन शाह का मानना है कि इस निकासी से पीएनबी, एसबीआई, केनरा और यूनियन बैंक को फायदा हो सकता है। इसके अलावा, सरकारी व्यवसाय में कमी आने से निजी बैंकों की एजेंसी कमीशन आय पर भी सीधा नकारात्मक असर पड़ेगा। यह वह शुल्क है जो भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सरकारी लेनदेन को संभालने के लिए बैंकों को देता है।

आरोपों पर क्या है आईडीएफसी और एयू बैंक की सफाई?

इन गंभीर आरोपों और कार्रवाई के बीच, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रबंध निदेशक वी वैद्यनाथन ने निवेशकों को भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ उनके संबंध गहरे हैं और यह कोई प्रणालीगत मुद्दा नहीं है। बैंक अपनी प्रक्रियाओं और सेवा मानकों को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वहीं, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने साफ किया है कि उनके बैंक में कोई धोखाधड़ी नहीं हुई है। बैंक के मुताबिक, हरियाणा सरकार की जमा राशि 735 करोड़ से घटकर 538 करोड़ रुपये रह गई है। जो भी लेनदेन हुए, वे संबंधित सरकारी विभाग द्वारा विधिवत अधिकृत थे और सामान्य कारोबारी प्रक्रिया के तहत किए गए थे।

ट्रंप ने सैनिकों को किया सम्मानित, वेनेजुएला में मादुरो को पकड़ने वाले पायलट को मिला विशेष सम्मान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन के दौरान अमेरिकी सेना के उन सदस्यों को सम्मानित किया, जिन्होंने देश और विदेश में अदम्य साहस का परिचय दिया। इस दौरान वॉशिंगटन में गोलीबारी का शिकार हुए नेशनल गार्ड के सदस्यों और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले मिशन के हीरो को मेडल दिए गए।

मादुरो को पकड़ने वाले पायलट को मिला सम्मान

ट्रंप ने आर्मी चीफ वारंट ऑफिसर 5 एरिक स्लोवर को 'कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनर' से नवाजा। स्लोवर उस लीड चिनूक हेलीकॉप्टर के पायलट थे, जिसने तीन जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए उनके किलेनुमा घर पर रेड की थी। 'कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनर' सम्मान संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित सैन्य वीरता पुरस्कार है, जो युद्ध के दौरान असाधारण साहस और कर्तव्य की सीमा से परे बलिदान दिखाने वाले सैनिकों को दिया जाता है। यह पदक राष्ट्रपति द्वारा अमेरिकी कांग्रेस की ओर से दिया जाता है।

ट्रंप ने बताया कि लैंडिंग के दौरान दुश्मन की मशीन गनों ने स्लोवर के हेलीकॉप्टर पर गोलियां बरसाईं। इस दौरान स्लोवर के पैर और कूल्हे में चार गोलियां लगीं, जिससे उनका पैर कई जगह से टूट गया। इसके बावजूद, उन्होंने हेलीकॉप्टर पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने गनर्स को जवाबी कार्रवाई का मौका दिया। ट्रंप ने कहा, पूरे मिशन की सफलता और साथियों की जान एरिक की दर्द सहने की क्षमता पर टिकी थी। स्लोवर वॉकर के सहारे मेडल लेने पहुंचे।

कोरियाई युद्ध के दिग्गज का भी सम्मान

इसके अलावा, ट्रंप ने 100 वर्षीय रिटायर्ड नेवी पायलट कैप्टन ई. रॉयस विलियम्स को भी 'मेडल ऑफ ऑनर' दिया। विलियम्स ने कोरियाई युद्ध के दौरान कई सोवियत जेट मार गिराए थे। ट्रंप ने उन्हें आखिरी जीवित लेजेंड्स में से एक बताया। व्हाइट हाउस ने जानकारी दी है कि मादुरो मिशन में शामिल 10 अन्य सैनिकों को जल्द ही एक निजी समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

नेशनल गार्ड के सदस्य को 'पर्पल हार्ट' सम्मान

इसके अलावा ट्रंप ने एयर फोर्स स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ को 'पर्पल हार्ट' मेडल से सम्मानित किया। वोल्फ पिछले साल 26 नवंबर को वॉशिंगटन में पेट्रोलिंग के दौरान सिर में गोली लगने से बाल-बाल बचे थे। ट्रंप ने कहा, 'भगवान की मदद से, एंड्रयू मौत के मुंह से वापस आए हैं और चमत्कारिक रूप से ठीक हो रहे हैं।' वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड के जनरल जेम्स सीवार्ड ने वोल्फ के सूट पर मेडल लगाया। इस हमले में वोल्फ की साथी, यूएस आर्मी स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की थैंक्सगिविंग डे पर मौत हो गई थी। ट्रंप ने गैलरी में मौजूद सारा के माता-पिता, इवेलिया और गैरी बेकस्ट्रॉम से कहा, 'आपकी बेटी एक सच्ची देशभक्त थी।'

बाइडेन की नीतियों पर निशाना

ट्रंप ने बताया कि हमलावर रहमानुल्लाह लकनवाल (29) एक अफगान नागरिक है, जो 2021 में बाइडेन प्रशासन के 'ऑपरेशन एलाइज वेलकम' के तहत अमेरिका आया था। ट्रंप ने कहा कि इस बंदूकधारी को हमारे देश में नहीं होना चाहिए था। लकनवाल फिलहाल हिरासत में है।

अमेरिका हमले के लिए तैयार लेकिन तेहरान को अभी भी शांति की उम्मीद, ईरानी विदेश मंत्री ने दिया बड़ा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सैन्य तैयारियों और बयानबाजी से लग रहा है कि अमेरिका, ईरान पर हमले के लिए तैयार है। हालांकि ईरान अभी भी शांति की बात कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक ताजा बयान में कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ जल्द से जल्द एक न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास एक ऐतिहासिक मौका है, जिसके तहत वे एक ऐसा समझौता कर सकते हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

अराघची ने यह बात सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखी। यह बयान तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली तीसरे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता से पहले आया है। यह वार्ता गुरुवार को जिनेवा में होने वाली है। दोनों देश पहले भी दो चरणों में बातचीत कर चुके हैं।

अराघची ने कहा, 'पिछले राउंड में बनी समझ के आधार पर, ईरान जिनेवा में अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करेगा, इस पक्के इरादे के साथ कि वह कम से कम समय में एक सही और बराबर डील करेगा।'

उन्होंने कहा, 'हमारे बुनियादी यकीन बिल्कुल साफ हैं, ईरान किसी भी हालत में कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा; न ही हम ईरानी अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के फायदों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकार को कभी छोड़ेंगे।' अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के पास एक ऐसा ऐतिहासिक मौका है, जिससे आपसी चिंताओं को दूर किया जा सके और साझा हितों को हासिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए तो डील हो सकती है।

अमेरिका-ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत

यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। इसके साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता हो चुकी है। इन वार्ताओं में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई है।

मंगलवार को ही, ईरान के राजनीतिक मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान यूएस के साथ न्यूक्लियर एग्रीमेंट करने के लिए जो भी जरूरी होगा करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि हम समझौता करने के लिए पूरी ईमानदारी और सकारात्मक सोच के साथ जिनेवा में बातचीत करने जाएंगे।

उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका भी इसी तरह सकारात्मक रुख अपनाएगा। उनका कहना है कि यदि सभी पक्षों में राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो समझौता जल्द किया जा सकता है।

'उनकी नीतियां गलत, लेकिन वे इंसान अच्छे हैं', ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतवंशी मेयर ममदानी की तारीफ की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतवंशी मेयर जोहरान ममदानी की तारीफ की है। ट्रंप ने बुधवार को स्टेट ऑफ द यूनियन (अमेरिकी संसद) को संबोधित करते हुए अपने विरोधी नेता जोहरान ममदानी को अच्छा इंसान बताया। ट्रंप ने कहा, ममदानी की नीतियां गलत हैं, लेकिन वे इंसान अच्छे हैं।

अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा, 'अब न्यूयॉर्क शहर में एक वामपंथी मेयर हैं। मुझे लगता है कि वे अच्छे इंसान हैं, लेकिन उनकी नीतियां गलत हैं। उन्होंने अभी कहा कि बर्फ हटाने के लिए लोगों की जरूरत है, लेकिन अगर आप नौकरी के लिए भी आवेदन करते हैं तो आपको पहचान पत्र और एक सोशल सिक्योरिटी कार्ड दिखाना होगा। लेकिन वे अमेरिका के लिए मतदान के लिए पहचान पत्र नहीं मांगते।' ट्रंप का यह बयान उस संदर्भ में है, जिसमें ट्रंप अमेरिकी संसद पर दबाव बना रहे हैं कि वे चुनाव विधेयक सेव अमेरिका एक्ट पारित करें। इस विधेयक में लोगों को मतदान के लिए पंजीकरण कराते वक्त नागरिकता का प्रमाण देना होगा और वोटिंग के वक्त एक पहचान पत्र दिखाना होगा।

संसद में ट्रंप ने एक घंटे से ज्यादा समय तक दिए अपने संबोधन में अर्थव्यवस्था, टैरिफ, अवैध घुसपैठ समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण में अपनी सरकार की उपलब्धियों का गुणगान किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की आजादी को 250 साल पूरे होने जा रहे हैं और दुनिया में कोई भी अमेरिका जैसा देश नहीं है और हम लगातार खुद को बेहतर कर रहे हैं। यह अमेरिका का स्वर्णिम काल चल रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ पर रोक लगी है और सीमा पर हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। इस दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप के भाषण का विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट किया, जिसके जवाब में रिपब्लिकन सांसदों ने नारेबाजी की।

ट्रंप ने कहा, देश में अपराध कम हुआ है और एक साल में ही हमने पूरे देश को बदल दिया है और अभी तक ऐसा किसी ने नहीं किया है। आज हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं। महंगाई कम हो रही है और लोगों की आय बढ़ रही है। देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत हो रही है और हमारे दुश्मन घबराए हुए हैं। हमारी सेना और पुलिस पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हैं। आज हमारी सीमाएं इतिहास में सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं। बीते 9 महीने में एक भी अवैध घुसपैठ की घटना नहीं हुई है। हालांकि कानूनी तौर पर आने वाले लोगों का अमेरिका में स्वागत है।

ट्रंप ने कहा, देश में खतरनाक फेंटानिल ड्रग की आमद में 56 प्रतिशत की कमी आई है। देश में हत्या दर में भी ऐतिहासिक तौर पर कमी आई है और यह 125 साल में सबसे कम है। बाइडन सरकार ने हमें खराब अर्थव्यवस्था दी थी, लेकिन हमने महंगाई को कम किया और बीते पांच साल मे यह सबसे कम है। गैसोलीन की कीमतों में भी भारी कमी आई है और कई राज्यों में यह 2.30 डॉलर से भी कम है। मोर्गेज रेट भी बेहद कम है।

ट्रंप ने कहा कि स्टॉक मार्केट भी मजबूत है। हमने पेंशन बढ़ाई है और अमेरिका में बीते एक साल में 18 खरब डॉलर का निवेश आया है। निर्माण क्षेत्र में 70 हजार नई नौकरियां पैदा हुई हैं। अमेरिका में नेचुरल गैस का उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर है। देश के इतिहास में मौजूदा समय में सबसे ज्यादा लोग काम कर रहे हैं और बीते एक साल में निजी क्षेत्र में 100 फीसदी नौकरियां पैदा हुई हैं।

बर्फीले तूफान के कारण 153 साल में पहली बार नहीं छपा अखबार, लाखों घरों की बिजली गुल, हजारों फ्लाइट रद्द

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण बर्फबारी और तेज हवाओं ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। खराब मौसम के कारण कई एयरपोर्ट्स पर रनवे अस्थायी रूप से बंद करने पड़े, जिससे उड़ान संचालन ठप हो गया। रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं।

सिर्फ सोमवार को ही लगभग 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की कुल उड़ानों का करीब 20 प्रतिशत थीं। फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर के अनुसार, मौसम की इस मार ने हवाई यात्रा को व्यापक रूप से प्रभावित किया। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ इलाकों में करीब 37 इंच तक बर्फ दर्ज की गई, जिससे सड़क और हवाई यातायात दोनों बाधित हुए। भारी बर्फबारी और तूफानी हवाओं के चलते उत्तर-पूर्वी राज्यों में 6 लाख से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई, जबकि सोमवार शाम तक 5,19,232 घर और कार्यालय अंधेरे में डूबे रहे। स्थिति इतनी गंभीर रही कि 153 साल के इतिहास में पहली बार 'द बोस्टन ग्लोब' अखबार का प्रिंट संस्करण प्रकाशित नहीं हो सका, क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक पहुंच ही नहीं पाए। इसके चलते कई राज्यों में आपातकाल घोषित करना पड़ा। न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार के बीच करीब 20 इंच बर्फ दर्ज की गई, जबकि लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप में 22 इंच से ज्यादा बर्फ गिरी।

ब्लू फ्लैग परियोजना के विस्तार के विरोध में चेन्नई के मछुआरों का प्रदर्शन, ये है वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्लू फ्लैग परियोजना के विस्तार और मरीना रोप कार के विरोध में मछुआरे दो मार्च को मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। जिससे चेन्नई के तटीय इलाकों में तनाव बढ़ता जा रहा है।

ट्रिप्लिकेन के अयोध्या कुप्पम और संथोम के श्रीनिवासपुरम के बीच स्थित 12 गांवों के मछुआरे विरोध प्रदर्शन करेंगे। मछुआरों का यह आंदोलन राज्य सरकार से मरीना तट के किनारे ब्लू फ्लैग बीच परियोजना के विस्तार की योजना को रद्द करने और समुद्र तट पर रोप कार परियोजना को रोकने का आग्रह करने के लिए किया जाएगा।

मछुआरा नेताओं के अनुसार, अयोध्या कुप्पम, मट्टनकुप्पम, नोचिकुप्पम और श्रीनिवासपुरम के प्रतिनिधियों ने हाल ही में शुरू की गई तटीय विकास पहलों से 'आजीविका के लिए गंभीर खतरों' पर विचार-विमर्श किया गया। ब्लू फ्लैग विस्तार के अलावा, मछुआरा समुदाय मरीना लूप रोड और समुद्र तट क्षेत्रों के किनारे स्थित दुकानों को हटाने के प्रस्ताव का भी विरोध कर रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे विकास के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर का कोई भी विस्तार पारंपरिक मछली पकड़ने के अधिकारों, बिक्री स्थलों और तट तक पहुंच की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे का काम शुरू करने से पहले अधिकारियों के साथ बातचीत की मांग की है। अयोध्या कुप्पम के एक मछुआरे सेल्वराज ने कहा कि समुदाय ने परियोजना के पिछले चरणों के लिए पहले ही रियायतें दे दी थीं। उन्होंने कहा कि ब्लू फ्लैग योजना का प्रस्ताव आने पर हमने अपनी जगह खाली कर दी और अपनी नावें दूसरी जगह स्थानांतरित कर दीं। लेकिन जब बची हुई थोड़ी सी जगह पर बांस की बाड़ लगा दी गई, तो वह भी हमसे छिन गई। हमारे दबाव के बाद ही बाड़ हटाई गई। हमारे पास यहां 30 नावें और 10 कैटामारन हैं। सीवेज और कचरे के कारण तट के पास मछली पकड़ने का काम पहले से ही बुरी तरह प्रभावित है। अब तो नावों के लिए हमारी पार्किंग की जगह भी कम होती जा रही है। मछुआरों को डर है कि ब्लू फ्लैग योजना के और विस्तार से मछुआरे परिवार समुद्र तट से पूरी तरह बेदखल हो जाएंगे। समुदाय के सदस्यों के अनुसार, नावों को खड़ा करने और जाल सुखाने के लिए पारंपरिक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली जगह धीरे-धीरे कम होती जा रही है। शाम के समय समुद्र तट पर व्यापार करने वाले विक्रेताओं में भी चिंता बढ़ रही है। एक महिला विक्रेता ने बताया कि मरीना और लूप रोड के किनारे चलने वाले भोजनालयों और छोटी दुकानों पर लगभग 2,000 परिवार निर्भर हैं।

'किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम नहीं करने देंगे'

एनसीईआरटी के 'न्यायिक भ्रष्टाचार' वाले चैप्टर पर सुप्रीम कोर्ट की लताड़

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले चैप्टर पर गहरी चिंता जताई। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि उन्होंने इस पर संज्ञान लिया है और वे खुद से कार्रवाई शुरू कर सकते हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'कृपया कुछ दिन इंतजार कीजिए। बार और बेंच सभी परेशान हैं। सभी हाई कोर्ट के जज परेशान हैं। मैं इस मामले को खुद देखूंगा। मैं किसी को भी संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा। कानून अपना काम करेगा।'

सुप्रीम कोर्ट की यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मंगलवार को कोर्ट को बताया कि एनसीईआरटी क्लास 8 के छात्रों को 'ज्यूडिशियल करप्शन' के बारे में पढ़ा रहा है और कहा कि यह बहुत चिंता की बात है। चीफ जस्टिस ने कहा, 'संस्था का मुखिया होने के नाते मैंने अपनी ड्यूटी निभाई है और मैंने इस पर ध्यान दिया है। यह एक सोचा-समझा कदम लगता है... मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा।' इसके अलावा, सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने भी आपत्ति जताई।

सिंघवी ने कहा, 'सेलेक्टिविटी माय लॉर्ड। सेलेक्टिविटी... यह दूसरे एरिया में भी है, लेकिन ज्यूडिशियल करप्शन में नहीं।' इस पर जस्टिस बागची ने कहा, 'यह किताब बेसिक स्ट्रक्चर के ही खिलाफ लगती है।'

क्या है मामला?

दरअसल, एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की नई किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नाम से एक सेक्शन रखा गया है। जबकि पहले वाले एडिशन में ऐसा नहीं था, जिसमें ज्यादातर कोर्ट के स्ट्रक्चर और रोल पर फोकस किया गया था।

भारी बर्फबारी के कारण त्सोमगो झील जाने वाली सड़क बंद, 2700 से ज्यादा टूरिस्टों को किया गया रेस्क्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। सिक्किम में भारी बर्फबारी देखने को मिली है। त्सोमगो झील जाने वाली सड़क बंद हो गई, जिसकी वजह से हजारों टूरिस्ट फंस गए। अधिकारियों ने बुधवार सुबह बताया कि पूर्वी सिक्किम में त्सोमगो झील के पास भारी बर्फबारी की वजह से फंसे 2,700 से ज्यादा टूरिस्ट को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि शेरथांग और आस-पास के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी की वजह से सड़कें जाम हो गईं, जिससे 15th माइल और त्सोमगो झील के बीच 541 टूरिस्ट गाड़ियां फंस गईं। उन्होंने बताया कि मिलकर की गई कोशिशों से, 2,736 टूरिस्ट वाली सभी गाड़ियों को सुरक्षित और सही तरीके से निकाल लिया गया और यह ऑपरेशन मंगलवार रात को खत्म हो गया। टूरिज्म डिपार्टमेंट ने टूरिस्ट और टूर ऑपरेटर को सलाह दी है कि वे मौसम की सलाह का सख्ती से पालन करें और यह पक्का करें कि बर्फबारी के दौरान यात्रा करते समय गाड़ियों में जरूरी स्नो चेन सहित सभी जरूरी सामान हों।

'टिकट टू हेल' में दिखा यश का क्लीन-शेव अवतार, टॉक्सिक में दोहरी भूमिका निभाएंगे अभिनेता?

टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स के मेकर्स ने एक बार फिर इंटरनेट की दुनिया में धमाका कर दिया है। इस बार उन्होंने दर्शकों को चौका दिया है उनका खुद का टिकट टू हेल! नए पोस्टर में रॉकिंग स्टार यश ऐसे अवतार में नजर आ रहे हैं, जिन्हें किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। यह क्लीन-शेव लुक फिल्म की खतरनाक और विस्फोटक दुनिया में और गहराई से उतरने का इशारा देता है।

पोस्टर में टिकट नाम का किरदार सामने आया है, जिसे भी यश ही निभा रहे हैं। यानी फिल्म में उनका दूसरा लुक रिवील हो चुका है, और साफ संकेत मिल रहे हैं कि कहानी में दमदार डबल रोल का तड़का लगने वाला है।

इससे पहले उनका दूसरा वाला राया लुक सामने आया था, जिसने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया था। फैन आर्ट, रील्स और थ्योरी थ्रेड्स हर जगह बस उसी की चर्चा थी। अब अचानक आए इस क्लीन-शेव लुक ने फिर से वही सेंसेशन तेज़ी की तैयारी कर ली है। पहले रिलीज हुए टीजर में यश का ट्रांसफॉर्मेशन पहले ही सोशल मीडिया पर बवंडर खड़ा कर चुका है और फिल्म को लेकर दीवानगी अब ग्लोबल फीवर बन चुकी है।

टीजर को जबरदस्त और विस्फोटक रिस्पॉन्स मिले हैं। यह भारत समेत 9 देशों में यूट्यूब पर ट्रेंड कर चुका है, जो फिल्म की अंतरराष्ट्रीय पकड़ को साबित करता है। लेकिन असली कमाल सिर्फ नंबर नहीं हैं, बल्कि वह चर्चा है जो इसे छेड़ दी है। 1 मिनट 56 सेकंड के टीजर को फैंस फ्रेम दर फ्रेम खंगाल रहे हैं। कोई टाइमलाइन पर बहस कर रहा है, कोई अलग-अलग दौर की कहानी का अंदाजा लगा रहा है, तो कोई दोनों किरदारों के टकराव की थ्योरी बना रहा है। दो मिनट से भी कम समय में टॉक्सिक ने दर्शकों को इतना मसाला दे दिया है कि चर्चा अब एक सिनेमाई आंदोलन बन चुकी है।

तमिल बेल्ट में श्रीलंका, सिंगापुर और मलेशिया तक इसकी धूम है। हिंदी बेल्ट में ओमान, सऊदी अरब, कुवैत, बांग्लादेश और बहरीन में यह छाया हुआ है। भारत के कई राज्यों में भी टीजर ट्रेंड कर रहा है, जिससे साफ है कि टॉक्सिक सिर्फ पैन इंडिया नहीं, बल्कि वर्ल्डवाइड फेनोमेना बन चुका है।

अपनी आइकॉनिक शख्सियत, जो उनकी बड़ी स्क्रीन वाली शख्सियत का हिस्सा बन चुकी थी, उसे छोड़कर यश ने सबको चौंका दिया है। उनका टिकट अवतार स्टाइलिश भी है और डरावना भी। टीजर ने 24 घंटे में 197 मिलियन व्यूज का आंकड़ा छू लिया, और खासकर आखिरी 20 सेकंड ने सबको हैरान कर दिया। फैंस लगातार हिडन डिटेल्स खोज रहे हैं और फिल्म की विशाल दुनिया को समझने में जुटे हैं।

यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी और गीता मोहनदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म कन्नड़ और अंग्रेजी में साथ-साथ शूट की गई है। इसके हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम वर्जन भी रिलीज होंगे, जिससे इसे वैश्विक मंच पर पेश किया जाएगा। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमा में रिलीज होगी।

तापसी पन्नू का ग्लैमर पर तीखा तंज, बोलीं- बॉलीवुड को क्लीवेज चाहिए और साउथ को नाभि

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने हाल ही में हिंदी और साउथ सिनेमा में महिलाओं के चित्रण पर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों फिल्म इंडस्ट्री में ग्लैमर दिखाने का तरीका अलग-अलग है। तापसी के अनुसार, बॉलीवुड फिल्मों में अक्सर क्लीवेज पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि साउथ की फिल्मों में नाभि को दिखाने पर ज्यादा जोर रहता है। उनके इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के प्रति नजरिए को लेकर एक चर्चा शुरू कर दी है।

तापसी ने अब तक तेलुगू तमिल, हिंदी और मलयालम सिनेमा में लंबा सफर तय किया है। पिछले कुछ दिनों से वो अपनी नई फिल्म अस्सी को लेकर चर्चा में हैं।

तापसी ने अपने दिल्ली के मध्यम-वर्गीय पालन-पोषण से लेकर फिल्मी सेट के अनुभवों तक कई मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने एक ऐसे विषय पर चर्चा की, जिसे अक्सर पर्दे के पीछे ही रखा जाता है।

जब तापसी से पूछा गया कि भोजपुरी और दक्षिण भारतीय सिनेमा के गानों में नाभि पर इतना ध्यान क्यों दिया जाता है तो उन्होंने कहा, मैं खुद भी इसे समझने की कोशिश कर रही हूं। ऐसा नहीं है कि हिंदी सिनेमा के आइटम गानों में इस पर ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन साउथ सिनेमा जितना नहीं। हिंदी सिनेमा में फोकस क्लीवेज पर ज्यादा रहता है। उन्होंने फिल्मी सेटों पर महिला कलाकारों के प्रति इंडस्ट्री के नजरिए पर खुलकर बात की।

तापसी बोलीं, साउथ में अक्सर अभिनेत्रियों से पैडेड ब्रा पहनने के लिए कहा जाता है। सबसे बड़ी समस्या है कि निर्देशक सेट पर ये बात आखिर कहे किससे? उन्होंने बताया कि ये बात सीधे नहीं कही जाती, बल्कि एक चेन के जरिए पहुंचती है। निर्देशक से असिस्टेंट डायरेक्टर, फिर स्टाइलिंग टीम, फिर हेयर और वार्डरोब वाली महिलाओं के पास और अंत में हीरोइन तक। तापसी ने वो शर्मिंदगी बयां कर कहा, कल्पना कीजिए कि ये कितना अजीब होता होगा। तापसी ने बताया, आप एक गाना शूट कर रहे हैं, बीच में कोई उठता और चला जाता है। सेट पर मौजूद सबको पता होता है कि क्या हो रहा है। हर कोई देख रहा होता है कि आप लौटें तो क्या अलग दिखेगा। उन्होंने कहा कि महिला कलाकार के लिए ये सिर्फ कपड़े बदलने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानसिक रूप से काफी असहज और अपमानजनक होती है, खासकर जब पूरे सेट को पता हो कि निर्देशक क्या बदलाव चाहता है।

बता दें कि बॉलीवुड में अपनी धाक जमाने से पहले तापसी साउथ फिल्म इंडस्ट्री की एक जानी-मानी अभिनेत्री बन चुकी थीं। उनके करियर की नींव किसी छोटे-मोटे रोल से नहीं, बल्कि एक बड़ी शुरुआत से पड़ी थी। उन्होंने साल 2010 में तेलुगू फिल्म झुम्मंडी नादम से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इस म्यूजिकल ड्रामा में वो मशहूर अभिनेता मनोज मांचू के साथ नजर आई थीं। उन्होंने कई सालों तक तेलुगू, तमिल और मलयालम फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं।

द पैराडाइज से आया शेर का प्रोमो आउट, नेचुरल स्टार नानी के जन्मदिन पर रिलीज होगा फुल सॉन्ग

2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक, द पैराडाइज के मेकर्स ने आया शेर का धमाकेदार प्रोमो रिलीज कर दिया है। यह पूरा गाना 24 फरवरी को नेचुरल स्टार नानी के जन्मदिन के खास मौके पर रिलीज होगा। नैचुरल स्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार वाली फिल्मों में से एक बनकर उभरी है और इसकी अनाउंसमेंट के बाद से ही काफी चर्चा है।

फिल्म को श्रीकांत ओडेला डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने दसरा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म से सबका दिल जीता था। यह फिल्म इस डायरेक्टर और नानी की जोड़ी को एक बार फिर साथ लेकर आ रही है।

हाल ही में, मेकर्स ने फिल्म का एक जबरदस्त नया रिलीज डेट पोस्टर जारी किया है, जिसने तुरंत सबका ध्यान खींच लिया। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का पहला गाना आया शेर 24 फरवरी को नानी के बर्थडे पर फैंस के लिए एक खास तोहफे के रूप में रिलीज किया जाएगा। उन्होंने वादा किया है कि यह गाना आते ही धमाल मचा देगा।

खास दिन की तैयारी करते हुए, मेकर्स ने आया शेर का एक दमदार प्रोमो रिलीज किया है। इस प्रोमो में गाने की एक बहुत ही पावरफुल और एनर्जेटिक झलक दिखाई गई है, जिससे साफ पता चल रहा है कि यह एक जबरदस्त धमाका होने वाला है।

प्रोमो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, नया प्रोमो आया शेर की एक बहुत ही पावरफुल झलक दिखाता है, जो फिल्म द पैराडाइज में नेचुरल स्टार नानी का एक धमाकेदार इंट्रोडक्शन गाना होने वाला है। अनिरुद्ध रविचंदर के म्यूजिक और सुधन मास्टर की कोरियोग्राफी के साथ, इस ट्रैक में जबरदस्त बीट्स और हाई-वोल्टेज एनर्जी फील हो रही है। नानी की स्क्रीन प्रेजेंस और उनके दमदार मूव्स से अभी से हिंट मिल रहा है कि यह गाना फिल्म के सबसे बड़े हाइलाइट्स में से एक होगा।

दसरा जैसी पहली ही फिल्म से सबका दिल जीतने वाले श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बन रही द पैराडाइज एक बहुत ही बड़े लेवल की फिल्म होने वाली है। अनिरुद्ध रविचंदर का म्यूजिक इस प्रोजेक्ट को और भी खास बना रहा है, वहीं अर्जुन चंडी की आवाज़ गानों में एक अलग ही गहराई और इमोशनल टच लाएगी, जो फिल्म की इस दमदार कहानी के साथ एकदम फिट बैठेगी।

एसएलवी सिनेमास द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म द पैराडाइज 21 अगस्त 2026 को एक साथ 8 भाषाओं (हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम) में बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। अपनी इस ग्लोबल पहुंच को और मजबूत करने के लिए, मेकर्स ने कथित तौर पर हॉलीवुड सुपरस्टार रयान रेनॉल्ड्स से संपर्क किया है ताकि वे इंटरनेशनल मार्केट में फिल्म को प्रेजेंट कर सकें।

अपने विजनरी डायरेक्टर, दमदार कास्ट और ग्लोबल स्केल के साथ द पैराडाइज सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़ा कल्चरल इवेंट बनने की ओर बढ़ रही है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com